आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार को गिराने और 'राष्ट्रपति शासन' लागू करने की कोशिश कर रही है, और दोहराया कि सीएम को झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:28 अंक: 337 दिनांक:13-04-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

अयोध्या में राम मंदिर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए 'चुनावी मुद्दा' बताने को लेकर विपक्षी खेमे पर तीखा हमला करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि यह देश के लोगों के लिए आस्था का विषय है

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने वाली है केंद्र सरकार-आप की मंत्री आतिशी

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर नया आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ बहुत बड़ा राजनीतिक षडयंत्र प्लान किया जा रहा है और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने साजिश चल रही है। उन्होंने उपराज्यपाल द्वारा गृह मंत्रालय को लिखी गई चिट्ठियों पर भी आपत्ति जताई है।

आतिशी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि हमें विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि आने वाले दिनों में भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने वाली है। आतिशी ने उपराज्यपाल द्वारा केन्द्र को लिखी गई चिट्ठी पर आपत्ति जताई है।

उन्होंने ये भी कहा कि एक पुराने केस को उठाकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव को बर्खास्त कर दिया गया है। यह अरविंद केजरीवाल सरकार को गिराने की एक बड़ी साजिश हो रही है। अरविंद केजरीवाल को फर्जी मामले में झूठे केस में फंसा कर भाजपा शासित केंद्र और ईडी ने गिरफ्तार किया है। भाजपा वाले दिल्ली में चुनाव नहीं जीत सकते हैं, इसलिए चुनी हुई अरविंद केजरीवाल सरकार को गिराना चाहते हैं।

आम आदमी पार्टी सरकार जैसी योजनाओं को भाजपा कभी दिल्ली में लागू नहीं कर पाएगी। दिल्ली की हर महिला को हर महीने 1000 रुपये मिलने वाले हैं, इससे भाजपा वालों को दिक्कत है। इस योजना को रोकने के लिए यह राजनीतिक साजिश रची जा रही है। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना गैरकानूनी होगा।

आप के पास हो बहुमत

आप ने दिल्ली विधानसभा में 17 फरवरी को अपना बहुमत साबित कर दिया है, जब सत्ता में मौजूद पार्टी के पास बहुमत है तो राष्ट्रपति शासन का आदेश नहीं दिया जा सकता। अरविंद केजरीवाल के पास दिल्ली विधानसभा में भारी बहुमत है अगर भाजपा दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाती है तो यह अवैध होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आपको देखना होगा कई महीनों से मुख्य विभागों में अधिकारियों ट्रांसफर पोस्टिंग को रोक दिया है। एलजी बेबुनियाद तरिके से एमएचए को पत्र लिख रहे हैं, यह इस बात का संकेत है कि दिल्ली सरकार को गिराने की साजिश चल रही है, वे दिखाना चाहते हैं कि दिल्ली में संवैधानिक संकट है। हम इसके खिलाफ भी अदालत जाएंगे।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 94 सीटों के लिए अधिसूचना जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 94 सीटों के लिए आज अधिसूचना जारी कर दी। आम चुनाव 2024 के लिए 16 मार्च को जारी कार्यक्रम के अनुसार तीसरे चरण का मतदान7 मई को कराया जाएगा।

अधिसूचना के अनुसार तीसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 94 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों और मध्य प्रदेश में बैतूल संसदीय क्षेत्र के स्थगित चुनाव के लिए 7 मई, 2024 को मतदान होगा। तीसरे चरण के चुनाव के लिए सभी सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरु हो गई और नामांकन 19 अप्रैल तक भराए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 20 तारीख को होगी और 22 अप्रैल को नाम वापस लिए जा सकेंगे।

बसपा उम्मीदवार के निधन के बाद मध्य प्रदेश के बैतूल (अजा) संसदीय क्षेत्र में स्थगित मतदान के लिए अलग से अधिसूचना भी शुक्रवार को जारी की गई। इस सीट के लिए दूसरे चरण में होने वाला चुनाव बहुजन समाज पार्टी के एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण स्थगित कर दिया गया था। तीसरे चरण में असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, गोवा, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। कुल सात चरणों में कराए जा रहे लोक सभा चुनाव की मतगणना चार जून को होगी और चुनाव प्रक्रिया छह जून तक पूरी कर ली जाएगी।

सिसोदिया की नई जमानत याचिका दायर

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए नई याचिका दायर की है। याचिका में इस बार उन्होंने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने का हवाला दिया है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने मनीष की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया है। मामले में अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। मनीष शराब नीति घोटाला केस में तिहाड़ में बंद हैं। सिसोदिया को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था।

गोगोई का नमाज अदा करना, लेकिन राम मंदिर उद्घाटन में शामिल नहीं होना तुष्टिकरण की राजनीति - हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि गोगोई का शिवसागर निर्वाचन क्षेत्र में नमाज अदा करना, लेकिन राम मंदिर उद्घाटन में शामिल नहीं होना तुष्टिकरण की राजनीति है। सरमा ने कहा, असम के लोगों को तुष्टीकरण की जरूरत नहीं है। उन्हें नौकरियों और विकास की जरूरत है।

गोगोई जोरहाट लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। सरमा ने कहा, ऐसा लगता है कि गौरव गोगोई को नमाज अदा करने की सही मुद्राएं पता हैं। मुझे नहीं पता कि उन्होंने इसे कहां से सीखा है, लेकिन यहां एक सवाल है कि जिस तरह उन्होंने और अखिल गोगोई ने ईद को लेकर इतनी लगन दिखाई है, उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान ऐसा क्यों नहीं किया?

मुख्यमंत्री ने कहा, जब प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, वह (गौरव गोगोई) कांग्रेस यात्रा के दौरान असम की सड़कों पर राहुल गांधी के साथ चलते हुए प्रशासन से लड़ रहे थे और कानून तोड़ रहे थे।उन्होंने बहुत बड़ा पाप किया है। वह एक बार भी राम मंदिर नहीं गए। वह कामाख्या मंदिर नहीं जाते। हमारे पास कई अन्य त्योहार हैं, लेकिन हमें वहां उनकी भक्ति नहीं दिखती। उनके जैसे लोग किसी से प्यार नहीं करते।न हिंदू से और न मुस्लिम से। असम के मुसलमानों को इस तरह के तुष्टीकरण की जरूरत नहीं है।

के. कविता 15 तक सीबीआई की रिमांड पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति केस से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केसीआर की बेटी के. कविता को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 15 अप्रैल तक सीबीआई की कस्टडी में भेजा है। सीबीआई ने कविता से पूछताछ करने के लिए 5 दिन की रिमांड मांगी थी। सीबीआई का कहना है कि शराब नीति से जुड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए कविता का सबूतों से सामना कराने की जरूरत है। उन्होंने आप को रिश्वत के भुगतान के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उधर, के कविता के वकील ने सीबीआई के इस एक्शन को अवैध बताया है। उन्होंने जांच एजेंसी पर मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

उत्तरप्रदेश में आप ने दिया सपा को समर्थन

लखनऊ (ईएमएस)। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवारों को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है। पार्टी ने कहा कि ये चुनाव लोकतंत्र को बचाने और तानाशाह सरकार को खत्म करने का है।

आप की राज्य इकाई के प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी मुख्यालय में यह घोषणा की। सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव के साथ संयुक्त रूप से संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी उप्र में चुनाव नहीं लड़ रही है और बिना किसी शर्त के सपा और विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवारों को जिताने का कार्य करेगी।

कांग्रेस को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा, चुनाव प्रचार में हमारी भूमिका क्या होगी और हम अभियान में कैसे शामिल होंगे, यह चुनाव प्रचार में शामिल कांग्रेस नेतृत्व के साथ बातचीत के बाद तय किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 2024 का चुनाव जीतेगा।

संजय सिंह ने कहा, हम राज्य का चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। सपा के जितने भी उम्मीदवार हैं, उन्हें हमारा एक-एक कार्यकर्ता और सभी पदाधिकारी जिताने का काम करेंगे। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि 2024 का चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारत के लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है, बाबा साहब के संविधान को बचाने का चुनाव है।

उन्होंने कहा, वे विपक्ष पर फर्जी मुकदमे लगा रहे है, इसका मतलब उनके अंदर आत्मविश्वास नहीं है! सिंह ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में हुई रैली में अखिलेश यादव के पहुंचने के लिए उनका आभार जताया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आप नेता संजय सिंह का स्वागत और आभार प्रकट करते हुए कहा, यह चुनाव सामान्य परिस्थितियों में नहीं हो रहा हे। पूरे देश व दुनिया की नजर इस चुनाव पर है। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली गया था। अरविंद केजरीवाल जी के समर्थन की बड़ी रैली में हमने कहा था कि दुनिया में भारत की बदनामी हुई है!

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ईद पर सिंधु नदी में नाव पलटी, 11 को बचाया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को सिंधु नदी में नाव पलटने से ईद मना रहे कम से कम 15 लोग डूब गए। बचाव अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 11 लोगों को जिंदा बचा लिया और लापता चार लोगों की तलाश जारी है। नौशेरा, स्वाबी और मर्दन की बचाव टीमें तलाशी अभियान में भाग ले रही हैं।

अधिकारियों ने कहा कि यह त्रासदी नौशेरा जिले के कुंड पार्क क्षेत्र में हुई जहां ईद का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए लोग खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के संगम पर नदी में डूब गए थे। राज्यपाल गुलाम अली और मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। वहीं पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरुवार को गरीबी से परेशान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सात नाबालिग बच्चों की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी।

मीडिया एजेंडा सेट ना करे, नेताओं को करने दें: मीसा भारती

पटना,(ईएमएस)। पाटलिपुत्र से राजद उम्मीदवार मीसा भारती आज प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी नेताओं को जेल भेजने वाले अपने बयान से पलट गईं। उन्होंने मीडिया पर ही बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगा दिया और कहा कि मीडिया एजेंडा सेट कर रही है। उन्होंने मीडिया को नसीहत देते हुए कहा कि मीडिया एजेंडा सेट ना करे, नेताओं को करने दें।

मीसा भारती ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए अपने पिछले बयान से पलटते हुए कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर उन्होंने जो बयान दिया था। उसमें उन्होंने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार आई तो पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड से लिए गए चंदे के तरीके को असंवैधानिक नहीं बताया है? भारती ने आगे कहा कि बीजेपी के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। क्या बीजेपी का कोई नेता बेरोजगारी, किसानों की आय दोगुना करने पर बात कर रहा है। जब भी आते हैं केवल तुष्टिकरण की बात करते हैं।

केंद्रीय सूचना आयोग का चुनाव आयोग को नोटिस

ईवीएम-वीवीपैट से जुड़े आरटीआई आवेदन पर जवाब नहीं दिया था; सूचना आयुक्त बोले- ये कानून का उल्लंघन

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय सूचना आयोग ने चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है। केंद्रीय सूचना आयोग ने चुनाव आयोग पर कानून के उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए जवाब मांगा है। दरअसल, देश के कुछ एमिनेंट पर्सनैलिटीज ने एक आरटीआई लगाई थी, जिसमें चुनाव के दौरान ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया गया था। आयोग ने 30 दिन बीत जाने के बाद भी इस आरटीआई का जवाब नहीं दिया, सीनियर अधिकारियों ने पहली अपील भी नहीं सुनी, जिस पर केंद्रीय सूचना आयोग ने नाराजगी जाहिर की।

पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी एमजी देवसहायम ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों ईवीएम, वीवीपैट और वोट-काउंटिंग प्रोसेस की विश्वसनीयता पर को लेकर एक याचिका दायर की थी। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत चुनाव आयोग के पास आवेदन कर उस पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा। अभ्यावेदन 2 मई 2022 को चुनाव आयोग को भेजा गया था। 22 नवंबर 2022 को दायर आरटीआई के जरिए देवसहायम उन व्यक्तियों और पब्लिक ट्रिब्यूनल्स के बारे में जानना चाहते थे जिन्हें इस मुद्दे पर आयोजित किसी भी बैठक का विवरण और सभी फाइल भेजी गई थी।

देवसहायम ने पोल पैनल से जवाब न मिलने पर दूसरी अपील में केंद्रीय सूचना आयोग से की। मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया ने पूछताछ की, तो चुनाव आयोग के केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी इस बात पर जवाब नहीं दे सके कि देवसहायम को कोई जवाब क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि चूक के लिए अन्य लोग भी जिम्मेदार हैं, तो केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी उन्हें आदेश की कॉपी देगा और ऐसे लोगों की लिखित दलीलें केंद्रीय सूचना आयोग को भेजी जाएं। सामरिया ने चुनाव आयोग को 30 दिनों के भीतर आरटीआई आवेदन पर जवाब देने का भी निर्देश दिया है।

इन लोगों ने दायर किया था आरटीआई आवेदन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय प्रबंधन संस्थानों के प्रोफेसरों समेत मशहूर तकनीकी प्रोफेशनल्स, शिक्षाविदों, रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों, पूर्व सिविल सेवकों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग को 2 मई 2022 को लिखे पत्र में इन लोगों ने लिखा था कि इस ज्ञापन के जरिए हम चुनाव आयोग के सामने कुछ बातें रखना चाहते हैं जिनका चुनावी लोकतंत्र के रूप में भारत के अस्तित्व पर असर पड़ता है। हम चुनाव आयोग से प्रत्येक के लिए तत्काल प्रतिक्रिया की उम्मीद करेंगे।

महंगाई के असर से शेयर बाजार बेदम सेंसेक्स 800 अंक टूटा, निफ्टी 22550 से नीचे फिसला

मुंबई(ईएमएस)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में अमेरिकी महंगाई के आंकड़े जारी होने के बाद बड़ी गिरावट दिखी। अमेरिका में जारी महंगाई के आंकड़े अनुमानों से अधिक रहे हैं, जिससे निवेशकों में इस बात का संदेह बढ़ा है कि फेड ब्याज दरों में कटौती में देरी कर सकता है। इसके बाद भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को बड़ी बिकवाली देखी गई और सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक यानी लगभग एक प्रतिशत तक फिसल गया। निफ्टी भी शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान 22550 के स्तर के नीचे आ गया।

शुक्रवार के कारोबारी सेशन के बाद 793.25 (1.05 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 74,244.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 234.40 (1.03 प्रतिशत) अंक फिसलकर 22,519.40 के स्तर पर पहुंच गया। मॉरीशस से निवेश करने वालों को अब और अधिक जांच का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी खबरें सामने आने के बाद विदेशी निवेशकों ने ब्लूचिप कंपनियों में बड़े पैमाने पर अपनी हिस्सेदारी में बिकवाली की, जिससे बाजार और कमजोर पड़ गया।

भारतीय एयरटेल की सब्सिडियरी कंपनी भारती हेक्साकॉम लिमिटेड के तेजी के साथ लिस्टिंग हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 755.20 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से 32.49 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर भारती हेक्साकॉम का शेयर 570 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से 32.5 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 542-570 रूपए प्रति शेयर तय किया था। इसका इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक ओपन था।

एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी बैंक में 0.85 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.90 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा में 1.63 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर में 1.34 प्रतिशत और एफएमसीजी में 0.99 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल रही है। इससे पहले निफ्टी ने 10 अप्रैल को ऑल टाइम हाई बनाया था। कारोबार के दौरान इसने 22,775 का लेवल छुआ था। हालांकि, इसके बाद निफ्टी थोड़ा नीचे आया और ये 111 अंक की बढ़त के साथ 22,753 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स में 354 अंक की तेजी रही, ये 75,038 के स्तर पर बंद हुआ था। ये इसका ऑल टाइम क्लोजिंग हाई था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार को पावर, बैंकिंग और आईटी शेयर्स में ज्यादा बढ़त रही।

अखिलेश यादव से आप सांसद संजय सिंह, बोले-लोगों को डराकर भाजपा में शामिल किया

लखनऊ (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। मुलाकात के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को डराकर अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। भाजपा देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में इंडिया गठबंधन भाजपा को कड़ी टक्कर देगा। लखनऊ पहुंचने से पूर्व आप नेता संजय सिंह अपनी पत्नी अनीता के साथ बाराबंकी की मशहूर कौमी एकता के मजार देवा शरीफ दर्शन करने पहुंचे। यहां उन्होंने पत्नी के साथ सूफी संत हाजी वारिस अली शाह के मजार पर चादर चढ़ाई और दुआ मांगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हाजी वारिस अली शाह से मेरी पुरानी श्रद्धा है। मेरे पिता भी यहां दर्शन के लिए कई बार आ चुके हैं। यह देश की एक ऐसी दरगाह है जो दुनिया को इंसानियत का पैगाम देती है।

मिशन 2024 का घमासानः स्टार प्रचारकों से संभाला मोर्चा...

भाजपा की तरह तरफ से मोदी और कांग्रेस की तरफ से राहुल की सबसे अधिक डिमांड

जम्मू-कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा मिलेगाः मोदी

उधमपुर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में रैली की। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह समय दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव होंगे। इसे वापस राज्य का दर्जा मिलेगा। आप अपने विधायक-मंत्रियों से अपने सपने साझा कर सकेंगे। जम्मू-कश्मीर में दशकों बाद यह पहला चुनाव है, जब आतंकवाद, अलगाववाद, पत्थरबाजी, सीमा पार से गोलीबारी जैसे मुद्दे नहीं हैं। माता वैष्णो देवी यात्रा हो या अमरनाथ यात्रा, ये सुरक्षित तरीके से कैसे हों इसको लेकर पहले चिंता होती थी। आज स्थिति बदल गई है। आज यहां विकास भी हो रहा है और विश्वास भी बढ़ रहा है। यहां चप्पे-चप्पे पर एक ही गूंज सुनाई दे रही है- फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी जनसभा में राहुल गांधी और लालू परिवार पर बिना नाम लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग सावन के महीने में मटन बनाते हैं, इसका वीडियो भी बनाते हैं और जारी करते हैं। देश का कानून किसी को भी कुछ भी खाने से नहीं रोकता, ना ही ये मोदी किसी को नहीं रोकता है। ये लोग वीडियो जारी कर देश के लोगों को चिढ़ाते हैं। ये लोग सावन के महीने में वीडियो दिखाकर, मुगल मानसिकता के द्वारा लोगों को चिढ़ाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि आज आपके आशीर्वाद से मोदी ने वो गारंटी पूरी कर दी है। दशकों बाद ये पहला चुनाव है, जब आतंकवाद, अलगाववाद, पत्थरबाजी, बंद, हड़ताल, सीमा पार से गोलीबारी, ये चुनाव के मुद्दे ही नहीं हैं। तब माता वैष्णो देवी यात्रा हों या अमरनाथ यात्रा, ये सुरक्षित तरीके से कैसे हों इसको लेकर ही चिंता होती थी। आज स्थिति एकदम बदल गई है। आज जम्मू कश्मीर में विकास भी हो रहा है और विश्वास भी बढ़ रहा है। इसलिए आज जम्मू कश्मीर के चप्पे-चप्पे से एक ही गूंज सुनाई दे रही है- फिर एक बार मोदी सरकार। ये चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि ये चुनाव देश में एक मजबूत सरकार बनाने का चुनाव है। और सरकार जब मजबूत होती है, तो जमीन पर चुनौतियों के बीच भी, चुनौतियों को चुनौती देते हुए काम करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि मैं उधमपुर पिछले कई दशकों से आ रहा हूं। जम्मू-कश्मीर की धरती पर मेरा आना जाना पिछले 5 दशक से चल रहा है। मुझे याद है 1992 में एकता यात्रा के दौरान यहां आपने भव्य स्वागत और सम्मान किया था। आप भी जानते हैं कि तब हमारा मिशन लाल चौक पर तिरंगा फहराने का था, तब यहां माताओं-बहनों ने बहुत आशीर्वाद दिया था। 2014 में माता वैष्णो देवी के दर्शन करके आया था और इसी मैदान पर मैंने आपको गारंटी दी थी कि जम्मू कश्मीर की अनेक पीढ़ियों ने जो कुछ सहा है, उससे मुक्ति दिलाऊंगा। जम्मू-कश्मीर 10 साल के अंदर पूरी तरह से बदला ।

ब्रिटेन में 12 भारतीय गिरफ्तार

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में 12 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला शामिल है। सभी गद्दे और केक की फैक्ट्री में अवैध तरीके से नौकरी कर रहे थे। इन पर वीजा शर्तों के उल्लंघन के आरोप भी हैं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, इमिग्रेशन इन्फोर्समेंट अधिकारियों ने इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में गद्दे के कारोबार से जुड़ी एक यूनिट पर छापा मारा। अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि यहां अवैध रूप से काम हो रहा है। बयान के मुताबिक, 7 भारतीयों को गद्दे बनाने वाली फैक्ट्री से गिरफ्तार किया गया। वहीं, 4 लोगों को पास की केक फैक्ट्री से पकड़ा गया। इन चारों पर वीजा उल्लंघन के आरोप हैं। इसके अलावा एक भारतीय महिला को भी इमिग्रेशन क्राइम के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

बसपा का दावा पीएम बनेंगी मायावती,आनंद बोले इसके लिए बसपा को जिताना जरुरी

मथुरा(ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी का दावा है कि वो पूरी ताकत से चुनाव लड रही है। इसलिए लोकसभा की ज्यादा से ज्यादा सीटें बसपा को मिलने वाली हैं। इसी भरोसे के साथ पार्टी के राष्ट्रीय कोआर्डीनेटर आकाश आनन्द ने जनता से अपील की कि पार्टी अध्यक्ष मायावती को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बसपा के प्रत्याशियों को ज्यादा से ज्यादा तादाद में विजयी बनाएं। जमुनापार स्थित एक चुनावी सभा में उन्होंने बहरूपियों से सावधान रहते हुए कहा कि वे उनसे लड़े नही मगर सतर्क अवश्य रहें क्योंकि समय आने पर उनकी कलई अपने आप खुल जाएगी। ये ऐसे लोग हैं जो समाज के लोगों को भटकाकर दूसरे को वोट देने के लिए कह सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, कांग्रेस, सपा समेत 25 राजनैतिक दलों ने साढ़े 16 हजार करोड़ का चन्दा लिया पर बसपा ने एक पैसा भी नहीं लिया।

बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डीनेटर का कहना था कि भाजपा सरकार साल में 12 हजार का मुफ्त राशन दे रही है लेकिन युवकों को नौकरी से दूर रख रही है जबकि एक युवक नौकरी से ढाइ लाख रूपए साल में कमा सकता है। बेरोजगारी का यह आलम है कि पीएचडी प्राप्त लोग भी चतुर्थ श्रेणी की नौकरी के लिए आवेदन करने को मजबूर हैं। महंगाई बढ़ती ही जा रही है पर उस तरफ ध्यान न देकर संविधान बदला जा रहा है। उनका कहना था कि राम मन्दिर बनना अच्छी बात है पर अकेले धर्म से पेट नही भरता।उन्होंने 60 साल में बहुजन समाज के लिए कोई काम न करने, बाबा साहब को सम्मान न दिलाने आदि के लिए कांग्रेस की आलोचना की तो सपा को गद्दार बताते हुए कहा कि इस दल ने बहुजन समाज के वोट तो ले लिए पर उनके लिए कुछ भी नही किया। इससे पहले पूर्व मंत्री श्यामसुन्दर शर्मा एवं मथुरा लोकसभा से बसपा प्रत्याशी सुरेश सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। आकाश आनन्द ने भाजपा से पूछा कि उसने शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार के लिए पिछले 10 साल में क्या किया। उनका कहना था कि खाली पेट धर्म नहीं जानता। उन्होंने प्रधानमंत्री से बिना नाम लिए पूछा कि उनके महंगाई को कम करने तथा ढाई करोड लोगों को हर साल नौकरी देने के वायदे का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में महंगाई आसमान को छू रही है। युवकों के अरमानों को तोड़ा जा रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर आउट हो जाने के बहाने उन्हें नौकरी से दूर रखा जा रहा है। शिक्षा का हाल है कि आज 25 प्रतिशत स्कूलों में या तो कम्प्यूटर नहीं हैं या फिर उसके शिक्षक नहीं है और डिजिटल इण्डिया की बात की जा रही है।

निर्वाचन आयोग ने फर्जी खबरों को रोकने का कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए तैनात अपने पर्यवेक्षकों को फर्जी खबरों और झूठी सूचना पर समय रहते रोक लगाने का कहा है। आयोग ने कहा कि ''सकारात्मक विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए मतदाताओं को तत्परता से तथ्यों से अवगत कराया जाए।

आयोग ने एक बैठक में अपने 127 सामान्य, 67 पुलिस और 167 व्यय पर्यवेक्षकों को निर्वाचन क्षेत्रों में नकदी, शराब, चुनावी तोहफे और मादक पदार्थ एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने और उनके वितरण को रोकने के लिए चौबीसों घंटे प्रयास सुनिश्चित करने को कहा। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत, 21 राज्यों में 102 संसदीय सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होना है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं सुखबीर सिंह संधू ने यह सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए, विशेष रूप से भीषण गर्मी से निपटने की सभी मूलभूत सुविधाएं हों। बैठक में, पर्यवेक्षकों को यह देखने का निर्देश दिया गया कि पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों का पर्याप्त उपयोग हो और कानून व्यवस्था कड़ी निगरानी में रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा- भाजपा वाशिंग मशीन नहीं है जो धोकर बेदाग कर दे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनावी दौर में कई नेताओं पर जांच एजेंसियों ने शिकंजा कसा हुआ है। कुछ को राहत मिली है तो कुछ आफत में फंसे हैं। हाल ही में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को जमानत मिली तो सीएम अरविंद केजरीवाल अभी भी जेल में है। ऐसी स्थिति में सवाल उठने लगे कि जब संजय सिंह को जमानत मिल सकती है तो केजरीवाल को क्यों नहीं। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा कोई वाशिंग मशीन नहीं है जो बेदाग बना दे। एक इंटरव्यू में राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अगर यह मान भी लिया जाए कि अरविंद केजरीवाल हमारी सरकार की वजह से जेल गए, लेकिन उन्हें राहत क्यों नहीं मिल रही है? क्या हमने अदालतों पर भी नियंत्रण कर लिया है? ये लोग क्या कहना चाह रहे हैं? उन्हें यह कहने का साहस करने दीजिए कि हमने कोर्ट पर कब्जा कर लिया है। क्या यह संभव है?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पार्टी के इस आरोप पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि भाजपा के पास एक वॉशिंग मशीन है, जो सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद अन्य दलों के नेताओं को साफ कर देती है। इसका जवाब देते हुए राजनाथ ने कहा कि भाजपा के पास कोई वॉशिंग मशीन नहीं है और सरकार एजेंसियों को विशिष्ट लोगों को गिरफ्तार करने के लिए नहीं कह रही है। उन्होंने कहा, कोई वॉशिंग मशीन नहीं हैय एजेंसियों को अपना काम करना है और वे ऐसा करेंगी। क्या हम एजेंसियों को किसी विशिष्ट व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए कह रहे हैं। ये आधारहीन आरोप हैं। वे अपनी गलतियों और कमजोरियों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष को लगता है कि उनके नेताओं को आधारहीन आरोपों पर जेल भेजा जा रहा है, तो उन्हें अदालतों से सुरक्षा मिल सकती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर आप नेता संजय सिंह को जमानत मिल सकती है तो अन्य नेताओं को अदालतों से ऐसी राहत क्यों नहीं मिल पा रही हैं।राजनाथ ने कहा, भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है, यह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है। अगर विपक्षी दलों को लगता है कि उन्हें फंसाया गया है, उनके नेता आधारहीन आरोपों पर जेल में हैं, तो उन्हें सुरक्षा मिल सकती है। अगर संजय सिंह को जमानत मिल सकती है, तो दूसरे नेताओं को ऐसी राहत क्यों नहीं मिल पाई है।

बता दें कि आप नेता संजय सिंह को हाल ही में शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिल गई है। उन्हें पिछले साल अक्टूबर में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। हालांकि, उनके सहयोगी मनीष सिसोदिया फरवरी 2023 से इसी तरह के आरोपों में जेल में बंद हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद से कई अदालतों ने उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पिछले महीने शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में ईडी की कार्रवाई को रद्द करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट के फैसले और गिरफ्तारी के खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष को अदालतों पर कोई भरोसा नहीं है।

जन हितैषी

शांतिपूर्ण धरना भी अब अपराध की श्रेणी में?

भारत में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करना भी अपराध की श्रेणी में आ गया है? धरना प्रदर्शन के लिए यदि अनुमति मांगी जाती है। जिला और पुलिस प्रशासन आमतौर पर कानून व्यवस्था की स्थिति के नाम पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देता है। यदि दबाव में अनुमति दे भी दी, तो उसमें इस तरह की शर्तें लगा दी जाती हैं। जिसका पालन आयोजक के वश में ही नहीं रहता है। यदि प्रदर्शन सरकार और प्रशासन के खिलाफ हो रहा है। ऐसी स्थिति में विरोध प्रदर्शन करने की आमतौर पर अब अनुमति नहीं मिलती है। जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 का उपयोग धरना प्रदर्शन को रोकने में अब बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। धारा 144 लगाकर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जो भारतीय नागरिकों के मूलभूत अधिकार को खत्म करने जैसा है। इसी तरह से पुलिस लोगों को गिरफ्तार कर लेती है। उन्हें गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया जाता है। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का कारण पूछने पर उस पर सरकारी काम में अवरोध पैदा करने, तरह-तरह के आरोप लगाकर, पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर लिया जाता है। कई मामलों में तो यह भी देखने में आया है। पुलिस बिना सूचना दिए चार्ज शीट अदालत में पेश कर देती है। धरना प्रदर्शन के मामलों में फरार घोषित कर दिया जाता है। न्यायालयों में कई वर्षों तक मुकदमा लंबित रहता है। कई वर्षों तक लोगों को न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। हाल ही में चुनाव आयोग के सामने शांतिपूर्वक धरना दे रहे टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और लगभग एक दर्जन लोगों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस उन्हें घसीट कर बस तक ले गई। पुलिस उन्हें यह भी नहीं बता रही थी, दिल्ली पुलिस उन्हें क्यों हिरासत में ले रही है। वह अपनी बात रखने के लिए चुनाव आयोग के कार्यालय में आए थे। वह धरना देकर शांति पूर्वक विरोध दर्ज करा रहे थे। सांसद डेरेक का कहना था,दिल्ली पुलिस हिरासत में उन्हें नौवीं बार हिरासत में लिया गया है। हम लोग शांतिपूर्ण ढंग से बैठे हुए थे। मीडिया से बात कर रहे थे। इसी बीच पुलिस आई और अपराधियों की तरह घसीट कर ले गई। यह सब कैमरे के सामने हो रहा था। इसके बाद भी पुलिस को कोई फर्क नहीं पड़ा। पुलिस गिरफ्तार करके उन्हें बसों से मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर उन्हें काफी देर तक रखा। उसके बाद 2 घंटे तक वह बस में हम लोगों को घुमाते रहे। कहां ले जा रहे हैं, और किस अपराध में हिरासत में लिया है। यह भी पुलिस द्वारा नहीं बताया गया। लगभग 2 घंटे अवैध हिरासत में रखने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार किए जाने पर उन्होंने एतराज जताते हुए कहा, कानून के अनुसार सीआरपीसी की धारा 500(1) के तहत हिरासत में लिए जाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी का कारण बताया जाना जरूरी होता है। लगभग 2 घंटे तक किसी को कुछ भी नहीं बताया गया। निकटतम पुलिस स्टेशन पर भी नहीं ले जाया गया। घंटो बस में घुमाने के बाद छोड़ दिया गया। भारत में कानून तो बना दिए जाते हैं। लेकिन कानून का पालन वही लोग नहीं करते हैं, जिनके ऊपर कानून के पालन कराने की जिम्मेदारी होती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से धरना और प्रदर्शन की अनुमति देने में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अड़ंगेबाजी लगता है। तरह-तरह की ऐसी शर्तें लाद देता है। जिनका पालन करना आयोजक के लिए संभव ही नहीं होता है। जिला प्रशासन को ऐसा लगता है, कि धरना प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। ऐसी स्थिति में धारा 144 का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बरता भी बड़ी आम हो गई है। जब पुलिस और जिला प्रशासन ही नियमों का पालन नहीं करते हैं। तब स्थिति और भी विकट हो जाती है। किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा की पुलिस ने जिस तरह की बर्बरता किसानों के ऊपर की है। उसे सारे देश ने देखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को किस तरह से रोका जाता है। किसानों के ऊपर जिस तरह से अश्रु गैस के गोले छोड़े गए। किसानों को रोकने के लिए जिस तरीके के अवरोध लगाए गए। दिल्ली प्रदर्शन के लिए जाने वाले किसानों को हरियाणा में ही रोक लिया गया। यह भी सारे देश ने देखा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जहां मानव अधिकार और कानून का राज है। उन नियमों-कानूनों को तोड़ने का काम यदि पुलिस करने लगती है। इससे स्थिति खराब होती है। सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों के ऊपर भी इसी तरीके के आरोप लगने लगे हैं। गिरफ्तारी के बाद भी कई दिनों तक अवैध रूप से हिरासत में रखने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई दिन बाद गिरफ्तारी बताने के बाद कोर्ट में पेश किया जाता है। पीएमएलए कानून, जो ड्रग माफिया और आतंकवादियों के लिए बनाया गया था। सरकार और जांच एजेंसी उस कानून का उपयोग विपक्षी दलों के खिलाफ किया जा रहा हैं। वर्षों विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ कोई सबूत नहीं होने के बाद भी उन्हें जेलों में बंद करके रखा जा रहा है। इसकी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है। आम जनता तो कई वर्षों से इस तरीके की प्रताड़ना को झेलती आ रही है। अब बड़े-बड़े राजनेता, संवैधानिक पदों पर बैठे हुए मंत्री, मुख्यमंत्री,सांसद और विधायक इस तरह की प्रताणना के शिकार हो रहे हैं। इसके बाद गैर कानूनी हिरासत में रखने के मामले में चिंता जाहिर की जा रही है। अति सर्वत्र वर्जयते की तर्ज पर जब बड़े-बड़े संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोग अवैध हिरासत के शिकार हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में आशा की जा सकती है। भविष्य में जिन लोगों के ऊपर कानूनो का पालन कराने की जिम्मेदारी दी गई है। उनको भी कानून के अनुसार जिम्मेदार बनाए जाने की दिशा में भविष्य में कोई ना कोई प्रयास जरूर राजनेता करेंगे। जो अधिकारी नियमों और कानून का पालन नहीं करते हैं। ऐसी स्थिति में उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। उन्हें दंडित किया जाए, तभी जाकर स्थितियों में सुधार आ सकता है।

कांग्रेस की कमजोर कड़ी हैं कौन है?

कांग्रेस की कमजोर कड़ी श्री राहुल गाँधी जी हैं जो बार बार सुर्खियों में बना रहना चाहते हैं इसके कारण पार्टी 2गुटों में बंट गई राहुल गाँधी का बरबोलापन पढ़े लिखे लोगों को नहीं अच्छा लगता है कभी लोकतंत्र को लेकर विदेशों में अटपटा बोल देना कभी आरएसएस, और मोदीजी को चौकीदार चोर है और कभी सावरकर को लेकर गलत बोलना, और डंके की चोट पर ऐ सब बता देना और अधिकांश समय विदेशों में रहना और चुनाव के वक्त भारत का बार बार भ्रमण करना उनकी मज़बूरी को दर्शाता है, भगवान राम के जन्मस्थान पर तो देश की आजादी के बाद ही निर्माण शुरू हो जाना चाहिए था। बिलकुल वैसे ही, जैसे सरदार वल्लभभाई पटेल के आदेश पर सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था। बिंदल ने कहा कि आजादी के समय प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भगवान राम मंदिर के निर्माण कराने को अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने राम मंदिर को लेकर लोगों का ध्यान भटकाया और इसे स्थगित कर दिया। बिंदल ने कहा कि नेहरू ने भगवान राम के अस्तित्व को चुनौती थी। उन्होंने कहा था कि राम सेतु मौजूद है या नहीं, इसको लेकर हलफनामा दायर किया था। मैं एक सेमिनार में शायद 2017 में मप्रएसएसआरआई, उज्जैन में स्व कृपलाणी जी के ऊपर एक सम्मलेन में गया था वहाँ व्यक्तिगत संबाद में कांग्रेस की हार की वजहों का विश्लेषण कर बड़े बड़े विद्वान ने बताया की कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह राहुल गाँधी के कारण है जिसे बहुत से शिक्षाविद नहीं चाहते है और शायद यही सबसे बड़ी वजह हो लोग ऐ आकड़ा भी प्रस्तुत किये जिसमें यदि राहुल की जगह स्व प्रणव मुख़र्जी जैसे नेता हों तो शायद एक अच्छा जनाधार मिल सकता है इसके वजह से उसके अंदर ही कलह राहुल गांधी ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोलना है, उनका कहना कि मेरा काम नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान खोलने का और लोगों को जोड़ने का है, ऐ लोग अब सुन कर ऊब गए हैं कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, राम मंदिर और भगवान राम सबके हैं, राम मंदिर को बीजेपी, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद या बजरंग दल का मान लेना दुर्भाग्य की बात है।इसके बाद वो खुद राम लला के दर्शन करने अयोध्या गए बाद में पार्टी विरोधी गतिविधि के कारण उन्हें 6साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया और इधर संजय निरुपम को भी मुंबई से सीट ना देने के कारण बोलें तो निकाल दिया गया कांग्रेस हिंदू विरोधी या राम विरोधी पार्टी है या नहीं इसमें सभी नेताओं की अलग अलग राय है। इस फ़ैसले से करोड़ों कार्यकर्ताओं का भी दिल टूटा है। उन कार्यकर्ताओं का जिनकी आस्था भगवान राम में है।कांग्रेस वो पार्टी है जिसके नेता राजीव गांधी ने ही राम मंदिर का शिलान्यास कराया और मंदिर के ताले तुड़वाने का काम किया था। लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को स्वीकार न करना बहुत दुखद है।भगवान श्री राम के राम मंदिर पहले ही बन जाना चाहिए था लेकिन राजनीति के कारण इसे कांग्रेस ने गड्ढे में धकेल दिया लेकिन राम में इतना शक्ति है कि वो अपने भक्तों को हमेशा ख्याल रखते है पहले कारसेवक कोठरी बंधु के नाम पर जो हँसते थे वो शांत होकर मौनब्रत धारण कर लिया लेकिन आज दुनिया उनके कार्य पर गर्व करती है और यही हर भारतीय के मन में भगवान श्री राम के प्रति हो वो तो मंदिर के नाम सुनते ही निकल गए भारत यात्रा पर ताकि इस मुद्दे से ध्यान भटकाया जाय कांग्रेस को इसीलिए 50सीटो पर ही सिमट गई थे रामभक्त कभी नहीं मर सकता है यदि संसार से गया भी तो प्रभु के शरण में। अतः भगवान श्री राम के बारे में गलत बयान देना या उससे किनारा करना सनातन का अपमान है क्योंकि कांग्रेस अब राज्यों के पार्टियों पर निर्भर है अब तो समाजवादी पार्टी भी साथ आ गई है जिसने कार सेवकों पर गोली चलवा दी लेकिन भगवान राम का सेवक किसी पर निर्भर नहीं है सबके हैं और हर जगह हैं। इसे उसे समझना चाहिए क्योंकि ऐ पार्टी के हित में है पहले जो भी प्रधानमंत्री हुए उनका एक राजनैतिक कैरियर था कभी अपने को ऊँचा दिखाने के लिए बच्चों का सहारा नहीं लिया अपने कार्य व जनता का अपार स्नेह से बने या तो पहले मंत्री पद संभाला या राज्यों के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया इस पर शांति से सोचने की जरुरत है।

भ्रमाचार्य योगिराज को सरकार का समर्थन.....

लेखक राकेश अचल / ईएमएस

"यदि आप भगवाधारी हैं तो भले ही आप योग का प्रचार करें या आयुर्वेद के नाम पर धंधा,भले ही आपको अदालतें डाटें -फटकारें किन्तु सरकार का समर्थन आपको लगातार हासिल होता रहेगा ,क्योंकि आप सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने वालों में से एक हैं। आपके सौ खून माफ़ हो सकते है। देश में देखते ही देखते योग से आयुर्वेद की दुनिया में शीर्ष पर पहुंचे पतंजलि उद्योग के प्रमुख स्वामी रामदेव का मामला कुछ ऐसा ही है।

बाबा रामदेव बहुत पुराना योगवतार नहीं है। कोई दो दशक हुए हैं उन्हें योग और आयुर्वेद के धंधे में उतरे हुए। उन्होंने अपनी आरंभिक लोकप्रियता को भुनाने के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ गांधीगीरी भी की,सलवार पहनकर भागे भी । राजनीतिक दल भी बनाया लेकिन उनके नसीब में सियासी सुख लिखा नहीं था । हारकर वे योग और आयुर्वेद को ही ठिकाने लगाने के धंधे में उत्तर गए। बाबा रामदेव की पतंजलि आज देश की प्रमुख आयुर्वेद उत्पादक कंपनियों में से एक है। पतंजलि का राजस्व चन्द्रमा की सोलह कलाओं की तरह लगातार बढ़ रहा है और ये सब सरकार की कृपा की लीला है। इसमें कौन लीलावती है और कौन कलावती ये समझना बहुत कठिन काम नहीं है।

बाबा रामदेव आजकल अपनी राजनितिक गतिविधियों की वजह से नहीं बल्कि अपनी भ्रामरी डभ्रम फ़ैलाने का अभियान . की वजह से चर्चा में हैं और चिकित्सा पद्यातियों को लेकर देश में भ्रम फ़ैलाने के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत से लगातार डाट- फटकार खा रहे हैं। अदालत के ऊपर उनके भगवा रंग का असर नहीं हुआ । उनका योग और आयुर्वेद भी अदालत में काम नहीं आया। वे दोषी पाए गए और उनके द्वारा दिए गए हलफनामों को भी अदालते ने के बार नहीं बल्कि दो बार ठुकरा दिया। इसके बावजूद बाबा रामदेव पर सरकार की कृपा बनी हुई है।

देश की सरकार जिसके ऊपर भी कृपावंत होती है उसकी बल्ले-बल्ले हो जाती है । चाहे अडानी हों या बाबा सरकार की कृपा से दिन दूनी,रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं। बाबा का पतंजलि समूह वित्त वर्ष 2020-21 में 30,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। पिछले साल के वित्तीय नतीजों से पता चलता है कि समूह के राजस्व को रफ्तार देने के लिए इंदौर की कंपनी रुचि सोया का अधिग्रहण कितना महत्त्वपूर्ण था।

समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच रुचि सोया की 16,318 करोड़ रुपये की बिक्री ने पतंजलि के कुल राजस्व में 54 फीसदी का योगदान किया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020 में 13,118 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया था।

बाबा रामदेव ने खुद कहा कि समूह की प्रमुख कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने हाल तक अपने कारोबार में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है और वित्त वर्ष 2021 में उसने 9,784 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। पतंजलि एग्रो समूह की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी बनकर उभरी और वित्त वर्ष 2021 में 1,600 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। इसके बाद समूह की औषधि बनाने वाली इकाई दिव्य फार्मेसी का स्थान रहा । बाबा आये तो थे देश को मुफ्त में योग के जरिये स्वस्थ्य करने का संकल्प लेकर किन्तु बन बैठे कारोबारी। हमारे मध्यप्रदेश समेत देश में जहाँ भी डबल इंजिन की सरकारें हैं वहां बाबा पर सरकार की जमकर कृपा बरस। करोड़ों की जमीन कौंडियों के दाम मिली वो भी पलक झपकते ही। बाबा पलकें झपकाने में सिद्धस्त हैं।

बाबा भाजपा सरकार की नजरों में पहले ही साल में चढ़ गए । 2014 में मोदी जी के सत्ता में आते ही बाबा को भाजपा शासित राज्यों में लगभग 300 करोड़ रूपये की छोट तो केवल जमीनों के मामले में ही मिल गयी। अकेले असम में बाबा को सरकार ने 1200 एकड़ जमीन दे दी ताकि वे वहां गौशाला खोलकर गाय का घी बना और बेच सकें। बाबा की तरक्की से उनके प्रतिद्वंदी चिढ़ते ही होंगे। इस देश में सदियों से डाबर,बैद्यनाथ, धूतपापेश्वर जैसी आयुर्वेद की नामचिन्ह कंपनियां थीं लेकिन वे सरकार का संरक्षण नहीं पा सकीं। बाबा आयुर्वेद को पीछे छोड़ आटा-दाल, क्रीम, पावडर, साबुन-सोडा तक बेचने लग। महर्षि पतंजलि बाबा की तरक्की देखकर खुश होते होंगे या रोते होंगे ये तो पता नहीं किन्तु आजकल बाबा परेशान हैं जबकि उनके ऊपर सरकार मेहरबान है।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा को भ्रामक विज्ञापन दिखने के मामले में दोषी पाया और फटकारा । बाबा ने कोर्ट को धता दिखते हुए जब अपने भ्रामक विज्ञापन नहीं हटाए और झूठा हलफनामा दे दिया तो कोर्ट ने उसे ठुकरा दिय। बाबा को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गयी है अदालत की और से। बाबा ने विश्वव्यापी कोरोना संकट के दौरान कोरोनिल बनाकर रातों-रात करोड़ों रूपये कूट लिए जबकि उसका पूरा दवा भ्रामक निकला । लेकिन बाबा के साथ कोरोनिल के लोकार्पण समारोह में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्द्धन बैठे थे इसलिए किसी ने कोई सवाल नहीं किया। बाबा का हिंदुत्व केंद्रित आयुर्वेद हमेशा उनका सहयक बना रहा,आज भी केंद्र की कृपा सिर्फ इसीलिए बाबा के ऊपर है।

हमारे साथी और मित्र स्वर्गीय प्रदीप चौबे कहते थे - जिस पै देवी का हस्त है प्यारे ,उसका पिल्ला भी मस्त है प्यारे । बाबा तो बाबा हैं उनका मस्त होना स्वाभाविक है। सरकार की कृपा इसकी सबसे बड़ी वजह है। बाबा दोनों हाथों से देश को लूट रहे हैं। उपभोक्ता और अंधभक्त लगातार हिंदुत्व की चाशनी में सनी पतंजलि के उत्पादों को खरीदकर बाबा के राजस्व में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। देश की सबसे बड़ी अदालत भी बाबा को जेल भेजने से कटरा रही है ,अन्यथा एक के बाद एक हलफनामा मांगने का क्या अर्थ हो सकता है ? बाबा की जगह कोई दूसरा होता तो अरविंद केजरीवाल की तरह जेल के सींखचों के पीछे न होता ?

बैशाखीः सिख धर्म के नए साल नई फ़सल की खुशी का पर्व!

सिख धर्म के महान पर्व बैसाखी वैशाख महीने के पहले दिन मनाई जाती है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार हर साल 13 अप्रैल को मनाई जाती है।लेकिन 36 साल में एक बार 14 अप्रैल को भी बैशाखी का पर्व मनाया जाता है। इस साल बैसाखी हिंदू कैलेंडर के अनुसार 13 अप्रैल को मनाई जा रही है। यह दिन हिंदू सौर कैलेंडर के अनुसार सिख नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है और भारत में कई समुदायों के लिए इसे अत्यधिक शुभ दिन माना जाता है।इस वर्ष द्रिक पंचांग के अनुसार वैसाखी संक्रांति का क्षण 13 अप्रैल को रात्रि 9:15 बजे है।बैसाखी रबी की फसल उत्सव है, जिसका कृषि महत्व के साथ-साथ धार्मिक महत्व भी है। यह त्योहार भगवान इंद्र की पूजा से जुड़ा है, जिन्हें बारिश और उर्वरता का देवता माना जाता है।

इस दिन, किसान अपनी भरपूर फसल के लिए भगवान इंद्र को धन्यवाद देते हैं और अपनी भविष्य की फसलों के लिए अच्छी बारिश की प्रार्थना करते हैं। बैशाखी के दिन की शुरुआत गंगा नदी या अन्य पवित्र नदियों में पवित्र डुबकी लगाने से होती है, इसके बाद गुरुद्वारों में जाकर प्रार्थना की जाती,मत्था टेका जाता है। लोग नए कपड़े पहनते हैं और अपने प्रियजनों के साथ मिठाइयाँ और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं।बैसाखी के मुख्य अनुष्ठानों में से भांगड़ा और गिद्दा का प्रदर्शन भी है, जो पारंपरिक पंजाबी नृत्य हैं। जिसके माध्यम से फसल के मौसम की खुशी और उत्सव को दर्शाते हैं। इस अवसर पर लोग विशेष व्यंजन भी तैयार करते हैं जैसे लंगर, गुरुद्वारों में परोसा जाने वाला सामुदायिक भोजन, और खीर, ताजा गुड़ से बना मीठा चावल का हलवा बनाया जाता है।बैसाखी सिर्फ एक त्योहार नहीं है; बल्कि यह लोगों के जीवन में खुशियों का प्रतीक है। यह सिख धर्म मे नए साल की शुरुआत का प्रतीक है और एक नए कृषि मौसम की शुरुआत का भी प्रतिनिधित्व करता है। यह त्योहार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सन 1699 में गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ के गठन की याद दिलाता है। इसलिए, बैसाखी को खुशी, आशा और नई शुरुआत के दिन के रूप में मनाया जाता है।बैसाखी पर्व, जो व्यक्तियों को अपनी यात्रा पर विचार करने, नकारात्मकता को त्यागने और सकारात्मकता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।बैसाखी भरपूर फसल के लिए कृतज्ञता की भावना, समुदाय की भावना को बढ़ावा देने और लोगों के बीच खुशियों को साझा करने की भावना का प्रतीक है। यह श्रम के फल का आनंद लेने, ढोल की थाप पर नृत्य करने और शानदार पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने का समय है।

एक बार 10वें सिख गुरु ने पूछा कि हजारों की भीड़ में कौन धर्म के लिए मरने को तैयार है। आख़िरकार पाँच लोग स्वेच्छा से आगे आए और गुरु गोबिंद सिंह ने उन्हें बपतिस्मा दिया, जिसके बाद वे खालसा नामक समूह के पहले पाँच सदस्य बन गए। बैसाखी त्योहार पर सिख बपतिस्मा की परंपरा इस ऐतिहासिक घटना से ही उत्पन्न हुई थी।

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहींकर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है।

वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट्य या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

इस बार धार्मिक ध्रुवीकरण नहीं, इंडिया गठबंधन नहीं फंसा भाजपा के जाल में

लोकसभा 2024 के चुनाव मैं भाजपा जो धार्मिक ध्रुवीकरण करना चाहती थी। वह इस बार वह नहीं हो पा रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल भाजपा की इस चाल को समझ चुके हैं। जिसके कारण मंदिर मुद्दे पर कांग्रेस शांत है।

इंडिया गठबंधन भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा है। कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र जारी किया। उसमें मुस्लिम नदारत हैं। समाजवादी पार्टी ने जो घोषणा पत्र जारी किया। उसमें भी मुस्लिम नदारत है। हैरान परेशान भाजपा ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग से जुड़ा हुआ बता दिया। वहीं समाजवादी पार्टी ने मुसलमानों का ध्यान घोषणा पत्र में नहीं रखा। इसको लेकर भाजपा नेताओं ने मुसलमानो के बीच में सपा के विरोध में ध्रुवीकरण करने की कोशिश की।

गोदी मीडिया भी इस बात को बढ़-चढ़कर डिबेट में लाया। समाजवादी पार्टी ने मुसलमानों का ध्यान नहीं रखा। इस सब कोशिश के बावजूद भी धार्मिक ध्रुवीकरण का माहौल इस लोकसभा चुनाव में नहीं बन पा रहा है। इससे भाजपा हैरान है। भाजपा ने अब कांग्रेस को टुकड़े-टुकड़े वाली गैंग बता दिया है। सपा को मुसलमानो की विरोधी पार्टी बता दिया है। फिर भी लोकसभा चुनाव में भाजपा की कोई भी रणनीति काम नहीं आ रही है एक तरह से सारे दांव उल्टे पड़ते नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने जो घोषणा पत्र जारी किया। उसमें भी मुस्लिम नदारत है।

मोदी के लिए कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवादा बिहार के चुनाव प्रचार में गए थे। वहां पर उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप होना बताया। अंग्रेजों के समय हिंदू महासभा के साथ मिलकर मुस्लिम लीग की सरकारें बनी थी। मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस का सीधा रिश्ता तो कभी रहा नहीं। कांग्रेस पार्टी को जिसने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन, देश की स्वतंत्रता तथा देश में इतने लंबे समय तक राज किया है। उसे टुकड़े-टुकड़े गैंग बताकर कांग्रेस पर तगड़ा हमला किया है। उन्होंने कांग्रेस पर धारा 370 पर भी हमला किया। प्रधानमंत्री मोदी के इस आरोप की देशभर में चर्चा हो रही है। कांग्रेसियों ने आजादी की लड़ाई लड़ी। सालों जेलों में बंद रहे। अंग्रेजों की यातनाएं सही। भारत के पास जब कुछ नहीं था। भारत के राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दी।

भाजपा के पास ना तो स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास है। नाही उसके पास स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुए नेता हैं। भाजपा ने महात्मा गांधी,सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस जैसे कांग्रेसी नेताओं को अपना नेता बना लिया है। ठीक उसी तरीके से अब कांग्रेस को एक आतंकवादी संगठन बताने की तैयारी कर ली है। जनता के बीच में इसकी क्या प्रतिक्रिया होती है।

इसका पता तो चुनाव परिणाम के बाद ही लगेगा। हां कांग्रेस के नेता जरूर आक्रामक हो गए हैं। जिस तरह उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ी थी। अब लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने के लिए सीना ठोंककर आगे आ रहे हैं। यही समय का फेर है।

महबूबा मुफ्ती और गुलाम नबी आजाद का मुकाबला

जम्मू कश्मीर की अनंतनाग सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद आमने-सामने चुनाव लड़ रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस ने अनंतनाग सीट से वरिष्ठ नेता अल्तानफ को चुनाव मैदान में उतारा है। जिसके कारण यहां पर तिकोनी मुकाबला हो गया है। गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। महबूबा मुफ्ती इंडिया गठबंधन में साथ थी। उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन करके जम्मू कश्मीर की सरकार चलाई थी। जिसके कारण इंडिया गठबंधन ने उन्हें कोई सीट नहीं दी। अब उन्हें अकेले चुनाव लड़ना पड़ रहा है।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट के 2 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता (ईएमएस)। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में एनआईए ने शुक्रवार को कोलकाता से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके नाम अब्दुल मतीन ताहा और मुसाविर हुसैन शाजिब हैं। एनआईए के मुताबिक, 2 मार्च को शाजिब ने कैफे में आईईडी रखा था, जबकि ताहा ने इसका पूरा प्लान तैयार किया था। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस की जांच कर रही एनआईए ने 5 अप्रैल को बताया था कि मामले में मुख्य और सह-आरोपी की पहचान हो गई है।

शब्द पहेली - 7975

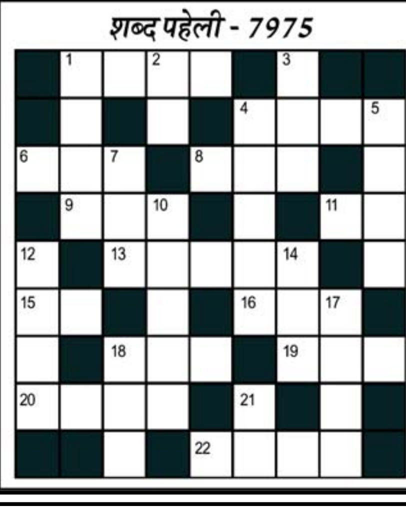

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -7974 का हल

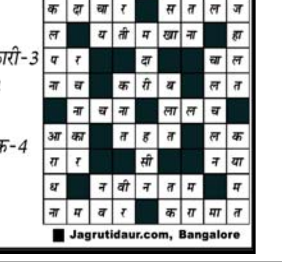

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

कई बातें खिलाड़ियों के हाथ में नहीं होतीं ईशान

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने आईपीएल के सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उनकी टीम इंडिया में वापसी की उम्मीदें बन रही हैं। ईशान ने अब पहली बार बीसीसीआई अनुबंध से निकाले जाने और रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने पर अपनी बात रखी है। ईशान ने कहा, मैं उस समय अभ्यास कर रहा था। जब मैंने खेल से ब्रेक लिया तो लोग बहुत सारी बातें कर रहे थे। कई चीजें सोशल मीडिया पर आईं। लेकिन आपको यह भी महसूस करना चाहिए कि कई चीजें खिलाडियों के हाथ में नहीं हैं। ब्रेक के दौरान वह अपनी मानसिकता में बदलाव लाये।

उन्होंने साथ ही कहा, केवल एक चीज जो आप कर सकते हैं वह है समय का सही उपयोग करना। साथ ही कहा कि मैं पहले दो ओवरों में कभी भी गेंद नहीं छोड़ूंगा, भले ही वे अच्छी गेंदबाजी कर रहे हों। समय के साथ मैंने सीखा है कि 20 ओवर एक बड़ा खेल है, आप अपना समय ले सकते हैं और आप आगे बढ़ सकते हैं। भले ही हम मैच हार गए हैं, हम एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहते हैं।

मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल के अभियान प्रमुख का पद छोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक के लिए अभियान प्रमुख का पद छोड़ दिया है। मैरी कॉम ने कहा कि ये एक बड़ा सम्मान है पर निजी कारणों से वह ये जिम्मेदारी उठाने में असमर्थ हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा को लिखे अपने पत्र में मैरी कॉम ने कहा कि वह अभियान प्रमुख की जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहती हैं। मैरी कॉम ने कहा ,'' देश की किसी भी रूप में सेवा करना गर्व की बात है पर अभी मैं इसके लिये मानसिक रूप से तैयार नहीं हूं।''

उन्होंने कहा ,'' इस प्रकार से पीछे हटने को मैं अच्छा नहीं मानती हूं पर मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। साथ ही कहा कि मैं ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे अपने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिये हमेशा ही तैयार रहूंगी।'' आईओए ने 21 मार्च को ही उनकी नियुक्ति की घोषणा की थी। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेत मैरी कॉम को 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों में भारतीय दल का अभियान प्रमुख बनाया गया था।

वहीं उषा ने अपने एक बयान में कहा ,'' हमें दुख है कि ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज और आईओए एथलीट आयोग की प्रमुख मैरी कॉम निजी कारणों से अभियान प्रमुख पद से हट गई हैं। हम उनके फैसले और निजता का सम्मान करते हैं। उनके विकल्प के बारे में घोषणा शीध्र होगी।''उन्होंने कहा ,'' मैं उनके अनुरोध को समझती हूं और उनके फैसले का सम्मान करती हूं। मैने उनसे कहा है कि आईओए और मेरा सहयोग हमेशा उनके साथ है।''

पदक विजेताओं को सड़क पर बैठे देखकर अच्छा नहीं लगा : सानिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने कुश्ती में जारी विवाद को लेकर पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। सानिया ने कहा कि उन्हें ओलंपिक पदक विजेताओं को सड़क पर बैठे देखकर दुख हुआ पर इस मामले की पूरी जानकारी न होने के कारण वह इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कह सकती हैं। जब सानिया से पूछा गया कि आपने देखा होगा कि महिला पहलवान साक्षी मलिक और विनेश फोगाट धरने पर बैठे हैं। वहीं इस मामले में साक्षी मलिक को तो आखिरकार कुश्ती ही छोड़नी पड़ी है। तब सानिया ने कहा कि ये देख और सुनकर बुरा लगता है पर मेरे पास इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है कि मैं इसपर बयान दे सकूं।

सानिया ने साथ ही कहा, किसी को खिलाड़ियों के साथ हुए व्यवहार पर अच्छा नहीं लगा। इस पूरे मामले में क्या हुआ था, इसको लेकर मुझे जानकारी नहीं है, और मुझे अभी भी नहीं पता कि साक्षी ने संन्यास क्यों लिया है। हालांकि साथी खिलाड़ी होने के नाते मैं कह सकती हूं कि उनको सड़क पर बैठे देखकर मुझे अच्छा नहीं लगा। वहीं टेनिस को लेकर उन्होंने कहा कि ये महंगा खेल है और खिलाड़ियों को पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैक्सवेल का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल चोटिल होने के कारण अब सनराइजर्स हैदराबाद के साथ होने वाले अगले मुकाबले में शायद ही खेलें। मैक्सवेल को पिछले मैच में अंगूठे में चोट लग गयी थी। इससे उनके 15 अप्रैल को सनराईजर्स के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहने की संभावनाएं हैं। यह भी कहा गया है कि मैक्सवेल की चोट अधिक गहरी नहीं है।

मैक्सवेल का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों में आ गये हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में भी वह खाता नहीं खोल पाये थे। इससे वह आईपीएल में सबसे अधिक बार 0 पर आउट होने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये थे। इसके बाद भी मैक्सवेल की क्षमताओं को कम नहीं आंका जा सकता है। वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो कभी भी गेंद और बल्ले से पास पलट सकते हैं।

आईपीएल 2024 में आज होगा पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

मोहाली (ईएमएस)। आईपीएल 2024 सत्र में शनिवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। उसके लिए हालांकि ये बेहद कठिन है क्योंकि राजस्थान रॉयल्स की टीम ने इस सत्र में सबसे अधिक चार जीत हासिल की है और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर है। उसे पिछले मैच में एकमात्र हार मिली थी। तब वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में दो रन से हार गयी थी। ऐसे में इस मैच में राजस्थान की टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। पिछले मैच में गुजरात के राशिद खान ने अंतिम ओवर में राजस्थान के हाथों से जीत छीन ली थी। कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक कुछ विशेष नहीं रहा है। टीम को 5 मैचों में 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम को लाभ होगा। इसमें पावरप्ले के दौरान तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी। ऐसे में यहां शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी करनी होगी। पंजाब किंग्स के लिए चिंता की बात ये है कि कप्तान धवन को छोड़कर अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना रहे हैं। उसके शीर्ष क्रम का कोई भी बल्लेबाज अब तक प्रभावी नहीं रहा है। इसके साथ ही मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी खराब रहा है। वहीं राजस्थान के पास कप्तान संजू सैमसन के अलावा कई अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। रॉयल्स को इस मैच में पंजाव के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह से सावधान रहना होगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने काफी प्रभावी गेंदबाजी की थी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं :

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान।

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कैगिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

बुमराह ने नेहरा का रिकार्ड तोड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आरसीबी के खिलाफ आईपीएल 2024 सत्र में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह ने इसके साथ ही आशीष नेहरा के रिकॉर्ड को तोड़ा जिन्होंने चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलते हुए साल 2015 में आरसीबी के खिलाफ 10 रन देकर 4 विकेट लिए थे। ऐसे में अब बुमराह आरसीबी के खिलाफ 5 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं।

बुमराह की इस शानदार गेंदबाजी को देखकर युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी खासे प्रभावित हुए और वह मैच के बाद बुमराह से मिलने पहुंच गए। इस दौरान सिराज ने बुमराह को देखते ही अपना सिर झुका लिया और हाथ मिलाते हुए उन्हें बधाई दी। बुमराह ने अपने 4 ओवरों में 21 रन देकर 5 विकेट लिए थे। उन्होंने आईपीएल में दूसरी बार 5 विकेट लिए हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को लेकर कुछ बड़ा करने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ाने के लिए सरकारी स्तर कुछ बड़ा करने वाली है। खबर है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत वेतन सीमा को अब 15,000 से बढ़ाकर करीब 21,000 किया जा सकता है। ऐसा करना सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

पीएफ के लिए वेतन सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ा था। अब इस प्रस्ताव पर फिर से विचार हो रहा है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया, हम सभी विकल्पों का मूल्यांकन कर रहे हैं और इसबारे में निर्णय नई सरकार द्वारा लिया जा सकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक केंद्र सरकार का मानना है कि भारतीय उद्योग जगत की मजबूत बैलेंस शीट वेतन सीमा में बढ़ोतरी के कारण उद्यमों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी। अधिकारी के अनुसार,वेतन सीमा बढ़ाने से सरकार और निजी क्षेत्र दोनों पर भारी वित्तीय प्रभाव पड़ेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि यदि केंद्र सरकार अधिक से अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना चाहती है, तब केंद्र सरकार को उस दिशा में आगे बढ़ना होगा। अनुमान है कि बढ़ी हुई वेतन सीमा से लाखों श्रमिकों को लाभ होगा क्योंकि अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी 18,000 और 25,000 के बीच है। अभी जो वेतन सीमा है, उस वजह से वे किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो जाते हैं। ईपीएफओ के तहत वेतन सीमा में आखिरी बार साल 2014 में बदलाव हुआ था। तब वेतन सीमा को 6,500 से बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया था।

हालांकि, इससे उलट कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में भी वेतन की सीमा इससे ज्यादा है। वहां साल 2017 से ही 21,000 की उच्च वेतन सीमा है और सरकार के भीतर इस पर सहमति है कि दो सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत वेतन सीमा को अलाइन किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ईपीएफओ और ईएसआईसी दोनों श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के तहत, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों ईपीएफ खाते में मूल वेतन, महंगाई भत्ता और प्रतिधारण भत्ता, यदि कोई हो, 12 प्रतिशत का समान योगदान करते हैं। पीएफ खाते में जहां कर्मचारी का पूरा योगदान भविष्य निधि खाते में जमा किया जाता है, वहीं नियोक्ता के योगदान का 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है और शेष 3.67 प्रतिशत पीएफ खाते में जमा किया जाता है।

लोकसभा चुनाव के बाद मोबाइल फोन रिचार्ज हो जाएगा महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव बाद मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों ने टैरिफ बढ़ाने की तैयारी कर ली है। यानी कि चुनावों के बाद मोबाइल रिचार्ज कराना महंगा हो जाएगा। हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आम चुनाव के बाद दूरसंचार उद्योग में 15-17 प्रतिशत शुल्क बढ़ोतरी का अनुमान है। देश में 19 अप्रैल से एक जून तक 7 चरणों में आम चुनाव होंगे। 4 जून को मतगणना की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार दूरसंचार क्षेत्र में शुल्क वृद्धि काफी दिनों से पेंडिंग है और ऐसा माना जा रहा कि चुनावों के बाद इसमें बढ़ोतरी तय है। इसका सबसे ज्यादा लाभ भारती एयरटेल को होगा। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव के बाद उद्योग 15-17 प्रतिशत शुल्क बढ़ोतरी करेगा। आखिरी बार दिसंबर, 2021 में शुल्क में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इसका मतलब है कि करीब 3 साल बाद टैरिफ में बढ़ोतरी की जाएगी। 17 फीसदी बढ़ोतरी होने पर 300 का रिचार्ज 351 रुपये का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि भारती एयरटेल का ग्राहक आधार प्रति वर्ष करीब दो प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि उद्योग में प्रति वर्ष एक प्रतिशत की वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा गया कि वोडाफोन आइडिया की बाजार हिस्सेदारी सितंबर, 2018 के 37.2 प्रतिशत से घटकर दिसंबर, 2023 में करीब आधी यानी 19.3 प्रतिशत रह गई है।

कुलदीप के बाद जेक फ्रेजर के तूफान में उड़ी लखनऊ, दिल्ली ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

नई दिल्ली। थ्ल्म्ह्दै एल्जी उर्ग्हे ने अत्प र्ज्रिूते ुप्प्तुेः आईपीएल 2024 के 26वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ हुई। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत खराब रही। 24 के स्कोर पर डेविड वॉर्नर का विकेट गिरा। 63 के स्कोर पर पृथ्वी शॉ आउट हुए। इसके बाद पंत और जेक फ्रेजर के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई।

डेब्यूटेंट जेक फ्रेजर 55 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत 41 रन बनाकर आउट हुए। अंत में शाई होप और ट्रिस्टन स्टब्स ने मैच जिता दिया। रवि बिश्नोई ने दो विकेट चटकाए। आईपीएल 2024 के 26वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ हुई। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 167 रन बनाए। वहीं, दिल्ली ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 167 रन लगाए हैं। टीम की ओर से आयुष बदोनी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों पर 55 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, कप्तान केएल राहुल ने 39 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने तीन और खलील अहमद ने दो विकेट झटके। लखनऊ की टीम इस समय शानदार फॉर्म में चल रही है। टीम ने अब तक खेले चार मैचों में से तीन में जीत का स्वाद चखा है, जबकि सिर्फ एक मैच में टीम को हार झेलनी पड़ी है। गुजरात के खिलाफ आखिरी मैच में लखनऊ की ओर से मार्कस स्टोइनिस ने बल्ले से धमाल मचाया था। वहीं, गेंद से क्रुणाल पांडया कहर बनकर टूटे थे। आईपीएल 2024 के 26वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ हुई। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 167 रन बनाए। वहीं, दिल्ली ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पिच पर गेंद नीची रह रही थी, लेकिन कुलदीप ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन मैकगर्क एक नए खिलाड़ी के तौर पर आए। हमने उसके कई वीडियोज देखे थे लेकिन उसने बहुत अच्छे शॉट खेले।

दालों के भंडारण और जमाखोरी रोकने के लिए केंद्र ने दिए राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सभी भंडारण इकाइयों द्वारा दालों के भंडार पर साप्ताहिक रिपोर्ट की व्यवस्था लागू करने को कहा है। साथ ही जमाखोरी और बाजार में हेरफेर को रोकने के लिए उनके द्वारा घोषित भंडार को सत्यापित करने के लिए कहा है, ताकि कीमतों को बेकाबू होने से रोका जा सके। उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा राज्यों को जारी आदेश में कहा गया है कि प्रमुख बंदरगाहों और उद्योग केंद्रों में स्थित गोदामों में दालों के भंडार को समय-समय पर सत्यापित करना चाहिए और भंडार प्रकटीकरण पोर्टल पर गलत जानकारी देने वाली इकाइयों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने भंडारण इकाइयों द्वारा दालों के भंडार प्रकटीकरण को लागू करने के लिए 5 अप्रैल को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जारी निर्देश के बाद राज्य सरकारों के अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। खरे ने आयात और भंडार प्रकटीकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दाल आयातक संघों और अन्य दाल उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की। प्रतिभागियों ने सामान्य रूप से दाल उद्योग और विशेष रूप से आयात पर अपने विचार और इनपुट साझा किए।

आयातकों और कंपनियों को साप्ताहिक आधार पर आयातित पीली मटर सहित दालों के अपने भंडार की घोषणा करने के लिए कहा गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संबंध में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने पीले मटर को शामिल करने के लिए भंडार प्रकटीकरण पोर्टल को नया रूप दिया है और बिग चेन रिटेलर को एक इकाई के रूप में पेश किया है जो 15 अप्रैल 2024 से चालू हो जाएगा। पांच प्रमुख दालों - अरहर, उड़द, चना, मसूर और मूंग के अलावा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आयातित पीली मटर के संबंध में स्टॉक की स्थिति की निगरानी करने के लिए कहा गया है। इसी तरह, बाजार में सुचारू और निरंतर उपलब्ध कराने के लिए आयातकों के पास तुअर, उड़द और मसूर के भंडार की निगरानी की जानी है।

सोना 72 हजार और चांदी 84 हजार पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई है। सोने व चांदी के वायदा पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए शुक्रवार को नए शिखर पर पहुंच गए। सोने के वायदा भाव 72 हजार और चांदी के वायदा भाव 84 हजार रुपये के स्तर को पार कर चुके हैं। वै?श्विक बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव 2,400 डॉलर पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को तेज रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 345 रुपये की तेजी के साथ 71,999 रुपये के भाव पर खुलकर 795 रुपये की तेजी के साथ 72,439 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 392 रुपये की तेजी के साथ 83,239 रुपये के भाव पर खुलकर 1,034 रुपये की तेजी के साथ 83,881 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। सोने के वायदा भाव सार्वज?निक उच्च स्तर पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 2,389.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,372.70 डॉलर था। ?फिलहाल यह 33.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,405.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.53 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.25 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.69 डॉलर की तेजी के साथ 28.94 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मालदीव पर्यटकों को लुभाने भारतीय शहरों में करेगा रोड शो

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन के बहकावे में आकर भारत से पंगा लेने की वजह से मालदीव में भारतीय टूरिस्टों के न पहुंचने से उसकी अर्थव्यवस्था पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। इस?लिए वह पर्यटकों को लुभाने के लिए भारतीय शहरों में रोड शो करने की योजना बना रहा है। दरअसल, दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट जारी है। यही वजह है कि मालदीव में एक प्रमुख पर्यटन निकाय ने घोषणा की है कि वे भारतीय पर्यटकों को वापस लुभाने के लिए भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेंगे। बता दें कि मालदीव को भारतीय टूरिस्टों की ओर से बहिष्कार अभियान का सामना तब करना पड़ा, जब इसी साल जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान लक्षद्वीप की तुलना मालदीव से की थी, जिसके बाद मालदीव के मंत्रियों सहित कई अधिकारियों ने पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। मालदीव की ओर से विवादित टिप्पणियों के बाद भारतीयों ने मालदीव का बहिष्कार करना शुरू कर दिया था और लक्षद्वीप को टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर प्रमोट करने लगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 8 अप्रैल को माले में भारतीय उच्चायुक्त के साथ चर्चा के बाद मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स ने भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करने सहित यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने की योजना की घोषणा की थी। पर्यटन निकाय ने एक बयान में कहा ?कि भारत के प्रमुख शहरों में एक व्यापक रोड शो शुरू करने और आगामी महीनों में मालदीव में प्रभावशाली लोगों और मीडिया परिचित यात्राओं को सुविधाजनक बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इतना ही नहीं एसोसिएशन ने कहा कि मालदीव के पर्यटन के लिए भारत एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। उसने कहा कि वे मालदीव को एक प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए भारत भर के प्रमुख ट्रैवल एसोसिएशन और इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर्स के साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर हैं। दरअसल, मालदीव के पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत संग राजनयिक विवाद के बाद मालदीव में पर्यटन के लिए आने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। 2023 में मालदीव का दौरा करने वाले 17 लाख से अधिक पर्यटकों में से अधिकांश भारतीय (2,09,198) थे, उसके बाद रूसी और चीनी थे। हालांकि, राजनयिक तनाव के बाद के हफ्तों में भारतीयों की संख्या पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

मूडीज ने बताया 2024 में 6.1 फीसदी से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में 6.1 फीसदी बढ़ेगी, जो 2023 में हुई 7.7 फीसदी की वृद्धि से कम है। मूडीज एनालिटिक्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा, दक्षिण व दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में इस साल सबसे मजबूत उत्पादन लाभ देखने को मिलेगा, लेकिन वैश्विक महामारी के बाद देरी से वापसी के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। हमें उम्मीद है कि भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पिछले साल 7.7 फीसदी के बाद 2024 में 6.1 प्रतिशत बढ़ेगी।''

रिपोर्ट में कहा गया कि कुल मिलाकर यह क्षेत्र दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि एपीएसी (एशिया प्रशांत) अर्थव्यवस्था इस साल 3.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। विश्व अर्थव्यवस्था 2.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। मूडीज ने कहा, वैश्विक महामारी से पहले के प्रक्षेपवक्र के सापेक्ष जीडीपी को देखने से पता चलता है कि भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया ने दुनिया भर में सबसे बड़े उत्पादन घाटे को देखा है और यह महज ठीक होने की शुरुआत हुई है। मुद्रास्फीति के संबंध में इसमें कहा गया है कि चीन और भारत के लिए परिदृश्य अधिक अनिश्चित है।

इस महीने की शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा था कि खाद्य मूल्य अनिश्चितताएं भविष्य में मुद्रास्फीति पर असर डाल सकते है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 4.5 फीसदी खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान बरकरार है।

अमेरिकी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट से सहमा पूरा विश्व...अमेरिका ने चीन-सऊदी से मदद मांगी

इजराइल पर हमला कर सकता है ईरान, सुप्रीम लीडर को अटैक प्लान भेजा

न्युयार्क/तेलअवीव (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट के देशों में जिस तरह का तनाव बढ़ रहा है उससे तीसरे विश्वयुद्ध के हालात बनते दिख रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी इंटेलिजेंस ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि ईरान जल्द ही इजराइल पर हमला कर सकता है। अमेरिकी इंटेलिजेंस के अनुसार ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई से हमले का प्लान साझा किया गया है। वो इसके मुमकिन असर का मुआयना कर रहे हैं। हालांकि, अभी फैसला फाइनल नहीं किया है। वहीं, इजराइल अपने उत्तर और पश्चिम दोनों हिस्सों में ईरान के हमले से निपटने की तैयारी कर रहा है। ईरान की तरफ से इजराइल पर हमले के खतरे के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सऊदी अरब, चीन, तुर्किये और कई यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की। ब्लिंकन ने सभी देशों से ईरान को हमला न करने के लिए मनाने को कहा है। मिडिल ईस्ट में टेंशन के बीच भारतीय सरकार ने एडवाइजरी जारी किया है कि इजरायल और ईरान की यात्रा से भारतीय बचें।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि विवाद को बढ़ावा देना किसी के भी हित में नहीं है। इससे पहले अमेरिका ने इजराइल में काम करने वाले अपने नागरिकों और खासकर डिप्लोमैट्स के लिए एडवाइजरी जारी की। अमेरिका ने अपनी एम्बेसी के स्टाफ को यरुशलम, तेल अवीव या बीरशेबा शहर से बिना सावधानी के बाहर न जाने को कहा है। इजराइल-हमास जंग के 6 महीनों में ऐसा पहली बार है, जब अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए इस तरह की एडवाइजरी जारी की। वहीं, हमले के खतरों को देखते हुए अमेरिका के सेंट्रल कमांड के जनरल माइकल कुरिला इजराइल पहुंचे। वो खतरे की परिस्थिति में इजराइल को गाइड़ करेंगे। उन्होंने इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और इजराइल डिफेंस फोर्स के अधिकारियों से मुलाकात की।

इजराइल को हमले की सजा देंगे

दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एम्बेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इजराइल को बदला लेने की धमकी दी थी। इस हमले के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरीन जीन-पियरे ने बताया था- सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले के बाद अमेरिका ने ईरान से संपर्क किया था। हमने उन्हें बताया कि इस हमले में अमेरिका का कोई हाथ नहीं था। ईरान इसका सहारा लेकर अमेरिकी ठिकानों या नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिश न करे। अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसी ने भी आशंका जताई थी कि 1 अप्रैल के हमले के बाद ईरान इजराइल पर जवाबी अटैक कर सकता है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई ने कहा था कि इजराइल को इस हमले की सजा जरूरी दी जाएगी। उन्होंने सीरिया में हमारे दूतावास पर हमला किया। यह ईरान की धरती पर हमला करने जैसा ही था। दूसरी तरफ, ब्रिटेन के विदेश मंत्री लॉर्ड कैमरन ने भी ईरानी विदेश मंत्री को फोन करके उन्हें विवाद को आगे न बढ़ाने की सलाह दी। इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान का नाम लिए बिना कहा था कि इजराइल गाजा के अलावा दूसरे मोर्चों पर भी जंग की तैयारी कर रहा है। नेतन्याहू ने ईरान का नाम लिए बिना कहा था कि अगर किसी ने भी हम पर हमला किया, तो हम इसका जवाब जरूर करेंगे।

सैनिकों की छुट्टी कैंसिल

वहीं कुछ दिन पहले इजराइल ने अपने जीपीएस नेविगेशन सिस्टम को बंद कर दिया था। माना जाता है कि गाइडेड मिसाइलों के हमलों को रोकने के लिए जीपीएस को बंद किया जाता है। इसके अलावा सभी सैनिकों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई थीं। ईरान से हमले की आशंका के बीच इजराइली सेना ने कहा था- हमारे सैनिक पहले से युद्ध में हैं। स्थिति को देखते हुए अस्थायी लड़ाकू इकाइयों की छुट्टी रद्द की गई है। एयर डिफेंस कमांड को अलर्ट पर रखा गया है। कई शहरों में एंटी बॉम्ब शेल्टर शुरू कर दिए गए हैं।

पूरे मिडिल ईस्ट में जंग फैल सकती है ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी जगजाहिर है, हालांकि दोनों देश कभी सीधे तौर पर एक-दूसरे से टकराने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। ईरान ने हमेश हमास और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों का सहारा लिया। वहीं, इजराइल सीधे तौर पर ईरानी ठिकानों पर हमला करता है। अब अगर ईरान सीधे इजराइल को निशाना बनाता है तो सबसे बड़ा खतरा इस बात का है कि पूरे मिडिल ईस्ट में यह जंग फैल जाएगी और इसके नतीजे खतरनाक होंगे।

विदेश मंत्रालय ने ईरान और इजरायल के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है और सभी भारतीयों को अगली सूचना तक ईरान या इजरायल की यात्रा न करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने ईरान और इजरायल में मौजूद भारतीयों से अनुरोध किया है कि वे भारतीय दूतावास के साथ संपर्क में रहें और अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक नोटिफिकेशन जारी कर भारतीयों से अगली सूचना तक ईरान और इजराइल की यात्रा करने से बचने को कहा। यह एडवाइजरी उन रिपोट्र्स के बीच जारी की गई है जिनमें कहा जा रहा है कि ईरान अगले 48 घंटों के भीतर इजरायल पर हमला कर सकता है।

दक्षिणी ध्रुव से निकला नया वायरस पूरी दुनिया में मचाएगा तबाही!

ब्राज़ील के सैलोमे ने 2024 को लेकर की भविष्यवाणी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इस साल दुनिया में क्या होने वाला है इसको लेकर ज्योतिष और भविष्यवक्ता नई नई भविष्यवाणी करते हैं। 2019 आई आपदा कोविड 19 की भविष्यवाणी के बाद लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। अब 2024 को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्वयं भू मनोचिकित्सक एथोस सैलोमे ने भविष्यवाणी की है कि एक नया घातक वायरस जल्द ही दुनिया को तबाह कर देगा। इस साल के अंत में दक्षिणी ध्रुव से निकला एक नया वायरस पूरी दुनिया में फैल जाएगा।

जीवित नास्त्रेदमस' के रूप में पहचाने जाने वाले ब्राज़ील के 37 वर्षीय सैलोमे ने यूक्रेन पर आक्रमण और महारानी एलिजाबेथ की मृत्यु सहित, अन्य प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ कोविड महामारी की भविष्यवाणी की है। सैलोमे का कहना है कि इस नए वायरस से लड़ने में उम्मीद से ज्यादा समय लगेगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि बेहतर होगा कि आप अपना कोविड मास्क तैयार कर लें।

सैलोमे का कहना है कि अगर इस नए वायरस को काबू में नहीं किया गया, तो पीड़ा, मानसिक और भौतिक क्षति से मौतें बहुत अधिक होने लगेंगी और यह वायरस इतिहास में सबसे खतरनाक विनाशक वायरस के रूप में जाना जाएगा। सैलोमे ने इस बारे में नहीं बताया कि वायरस किस कारण से उत्पन्न होगा या वैज्ञानिक इसका टीका बना पाएंगे। रहस्यमय भविष्यवक्ता का यह भी कहना है कि 2024 वह वर्ष होगा जब लोग आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के जरिए कब्र में जा चुके अपने प्रियजनों से संवाद कर सकेंगे। उनके मुताबिक यह तकनीक सिर्फ एक वैज्ञानिक सफलता नहीं, बल्कि मानव यात्रा को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम होगी।

सैलोमे की भविष्यवाणी के मुताबिक यह साल अस्तित्व के रहस्यों को उजागर करने, आराम और हमारे जीवन मिशन की गहन समझ प्रदान करने का वादा करता है। वहीं अन्य भविष्यवाणियों में अमेरिका पर आक्रमण, एक बड़ा साइबर हमला और तीसरा विश्व युद्ध, एलियंस से मुलाकात और अमेरिका, अफ्रीका और मध्य पूर्व में व्यापक प्राकृतिक आपदाएं शामिल हैं। तो, ऐसा लगता है कि हम 2024 में बहुत सारी आपदाओं का सामना करेंगे इसके लिए हमें अभी से तैयारी शुरु कर देनी चाहिए।

41 राजनयिकों को वापस भेजने के बाद कनाडा ने भी घटाया भारतीय स्टाफ

ओटावा,(ईएमएस)। भारत सरकार ने बीते साल कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद कनाडा ने कहा कि जब हमारे राजनयिकों की संख्या भारत में कम है तो फिर हमें उनके लिए तैनात स्टाफ में भी कटौती करनी पड़ेगी। राजनयिकों की संख्या भारत की ओर से कम करने के आदेश के बाद ही कनाडा ने मुंबई, चंडीगढ़ और बेंगलुरु में अपने कौंसुलेट्स को भी बंद कर दिया है।

स्टाफ में कटौती की पुष्टि करते हुए कनाडा उच्चायोग के एक अधि कारी ने बताया कि भले ही यह कठिन फैसला है, लेकिन हमारे राजनयिकों की ही संख्या कम होने के चलते ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत में कनाडा के वीजा आवेदन केंद्र पहले की तरह ही चालू रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में अपने स्थानीय स्टाफ के आभारी हैं कि उन्होंने इतने अरसे तक पूरे समर्पण और गंभीरत के साथ सेवाएं दीं। भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों में तनाव के बाद भी कनाडा ने कहा कि हम भारतीयों का स्वागत करते हैं। वे कनाडा में स्टडी, नौकरी या फिर स्थायी निवास के लिए आ सकते हैं, हम उनका स्वागत करेंगे।

वहीं भारतीय सूत्रों का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यह नहीं था कि कनाडा भारत में अपने कौंसुलेट्स को बंद करे। हमारा उद्देश्य था कि राजनयिकों की संख्या में समान रहनी चाहिए। कनाडा का स्टाफ भारत में तय सीमा से अधिक था, ऐसे में 41 लोगों को वापस भेजने का आदेश दिया गया।

बता दें कि बीते साल कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारी उसे गोली मारकर फरार हो गए थे। अब तक इस मामले में कनाडा सरकार जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है। लेकिन कनाडा ने भारत पर इसका आरोप लगाया था। इसके बाद भारत-कनाडा के रिश्ते बिगड़ गए हैं। भारत ने भी आरोप लगाया था कि कनाडा के राजनयिक आंतरिक मामलों में दखल दे रहे हैं।

बसपा की 9 सीटों के लिए प्रत्याशियों की चौथी लिस्ट जारी

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की 9 सीटों के लिए प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी कर दी। चौथी सूची में बसपा सुप्रीमो मायावती ने आजमगढ़ से भीम राजभर तो बालकृष्ण चौहान को घोसी से मैदान में उतारा है। इसके अलावा गोरखपुर से जावेद सिमनानी, फैजाबाद से सच्चिदानन्द पांडेय, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा को मौका दिया है। दरअसल, बसपा चीफ ने नागपुर से चुनावी शंखनाद कर दिया है। वह अब यूपी में भी जनसभायें शुरू करने जा रही हैं। इससे पहले नौ सीटों पर और उम्मीदवार उतार दिए गए हैं। इस सूची में आजमगढ़ और गोरखपुर जैसी चर्चित सीटों पर भी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है। इस सूची में एटा से मोहम्मद इरफान, धौरहरा से श्याम किशोर अवस्थी, बस्ती से दया शंकर मिश्रा, चंदौली से सत्येंद्र कुमार मौर्य और रॉबर्ट्सगंज से अधिवक्ता धनेश्वर गौतम को प्रत्याशी बनाया है। यूपी में 80 लोकसभा सीटें हैं। बसपा चीफ मायावती ने शुक्रवार को चौथी सूची जारी कर दी है। इसमें नौ उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक किए गए हैं। ऐसे में बसपा अब तक 45 उम्मीदवार मैदान में उतार चुकी है। इसमें से 11 मुस्लिमों पर भी बसपा ने भरोसा जताया है। साथ ही बसपा इस बार टिकट वितरण में जहां सोशल इंजीनियरिंग फार्मूला पर ज्यादा फोकस कर रही है, वहीं संगठन से दलित-मुस्लिम गठजोड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम करने को कहा गया है। इसीलिए इस बार पार्टी का फिर पुराना वाला स्लोगन बहुजन हिताय- बहुजन सुखाय पोस्टर में दिखने लगा है।

देश की जीडीपी 2024 में 6.1 प्रतिशत बढ़ेगी: मूडीज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की अर्थव्यवस्था 2024 में 6.1 प्रतिशत बढ़ेगी, जो 2023 में हुई 7.7 प्रतिशत की वृद्धि से कम है। मूडीज़ एनालिटिक्स ने एपीएसी आउटलुकः लिसनिंग थ्रू द नॉइज़ शीर्षक वाली अपनी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण व दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में इस साल सबसे मजबूत उत्पादन लाभ देखने को मिलेगा, लेकिन वैश्विक महामारी के बाद देरी से वापसी के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। हमें उम्मीद है कि भारत की जीडीपी पिछले साल 7.7 प्रतिशत के बाद 2024 में 6.1 प्रतिशत बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि कुल मिलाकर यह क्षेत्र दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसमें कहा गया कि एपीएसी (एशिया प्रशांत) अर्थव्यवस्था इस साल 3.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। विश्व अर्थव्यवस्था 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज एनालिटिक्स ने कहा ?कि वैश्विक महामारी से पहले के प्रक्षेपवक्र के सापेक्ष जीडीपी को देखने से पता चलता है कि भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया ने दुनिया भर में सबसे बड़े उत्पादन घाटे को देखा है और यह महज ठीक होने की शुरुआत हुई है।

चुनावी संग्राम में आरोपों के तीर बने मुसीबतः केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर और थरुर के बीच विवाद बढ़ा

नई दिल्ली(ईएमएस)। चुनावी रण में आरोपों तीर चलना स्वाभाविक है। जब यही तीन कानून की चौखट पर पहुंच जाएं तो मामला गंभीर हो जाता है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरुर के बीच आरोपों को लेकर दिए गए नोटस चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने चुनाव से पहले एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं। पहले तो भाजपा नेता ने कांग्रेस लीडर के खिलाफ मानहानि नोटिस भेजा, जिसके जवाब में थरूर ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर या अनजाने में मंत्री के खिलाफ गलत या दुर्भावनापूर्ण आरोप नहीं लगाया है। साथ ही उन्होंने चंद्रशेखर से अपना बयान वापस लेने और माफी मांगने की मांग रखी। इतना ही नहीं, उन्होंने मंत्री को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दे डाली।

थरूर के वकील की ओर से जारी बयान में कहा गया, मेरा क्लाइंट किसी भी अपमान के लिए जिम्मेदार नहीं है क्योंकि उन्होंने ऐसा कुछ कहा ही नहीं है। शशि थरूर के बयान में कहा गया, आपका क्लाइंट विवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। ऐसा करके वह लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। वह मेरे मुवक्किल की लोकप्रियता को नुकसान पहुंचाने की बेताब कोशिश कर रहे हैं। झूठे विवादों को जन्म दिया जा रहा है। इस तरह के दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाने के लिए केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके आगे कहा गया, अगर आपका मुवक्किल इस नोटिस की मांगों को नजरअंदाज करता है। वह मेरे क्लाइंट के खिलाफ झूठे और फर्जी आरोप लगाकर उसे बदनाम करने की कोशिशें जारी रखता है, तो हम आपके खिलाफ दंडनीय अपराध को लेकर मुकदमा चलाने के लिए बाध्य होंगे। मेरे मुवक्किल के खिलाफ लगाए गए निराधार और दुर्भावनापूर्ण आरोपों के कारण नुकसान हो सकता है।

गुरुवार को राजीव चंद्रशेखर ने शशि थरूर को कानूनी नोटिस भेजा था, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता पर हाल में टीवी चैनल पर उनके खिलाफ अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने प्रमुख मतदाताओं और पादरियों जैसे प्रभावशाली लोगों को भाजपा उम्मीदवार की ओर से रिश्वत दिए जाने की गलत सूचना फैलाई। थरूर ने ये बयान चंद्रशेखर की प्रतिष्ठा और छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से दिए। शशि थरूर की टिप्पणी ने तिरुवनंत पुरम के पूरे ईसाई समुदाय और उसके नेताओं का भी अनादर किया है, क्योंकि उन्होंने उन पर वोट के बदले नकदी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। आरोप में कहा गया है कि कांग्रेस सांसद के बयान आदर्श आचार संहिता का भी उल्लंघन हैं। मालूम हो कि आगामी लोकसभा चुनाव में चंद्रशेखर और थरूर तिरुवनंतपुरम सीट पर आमने-सामने हैं जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है।

मस्क का दावा, मेटा विज्ञापन के बारे में झूठ बोलता

वाशिंगटन (ईएमएस)। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाला मेटा विज्ञापन के बारे में झूठ बोलता है, जबकि उनका एक्स फेसबुक के मालिक की तुलना में बेहतर रिटर्न देता है। टेक अरबपति ने कहा, हमारी विज्ञापन प्रासंगिकता में काफी सुधार हुआ है। एक अन्य एक्स यूजर ने कहा कि मेटा पर विज्ञापन लागत में वृद्धि और आरओएएस (विज्ञापन व्यय पर रिटर्न) में कमी की प्रवृत्ति जारी है और ऐसा लगता है कि स्थिति और बदतर हो रही है।

मस्क ने कहा, विज्ञापन प्रासंगिकता और मेटा तक पहुंच पर विज्ञापनदाताओं का कोई नियंत्रण नहीं है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अब हम एक्स पर इतने सारे नए विज्ञापनदाताओं को शामिल कर रहे हैं। जवाब में, मस्क ने लिखा, एक्स पर विज्ञापन दें। इस साल फरवरी में, मस्क द्वारा संचालित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने विज्ञापनदाताओं को क्रिएटर टारगेटिंग कार्यक्रम के माध्यम से प्लेटफॉर्म पर कुछ सामग्री निर्माताओं के बगल में विज्ञापन चलाने की अनुमति दी।

विज्ञापनदाताओं को अपने विज्ञापनों को विवादास्पद या आपत्ति जनक सामग्री के बगल में प्रदर्शित होने से रोकने की अनुमति भी है।

कंगाल हो रहे पाकिस्तान में चाय से लेकर चिकन तक सब कुछ सातवें आसमान पर

इस्लामाबाद(ईएमएस)।पाकिस्तान की महंगाई लोगों का जीना मुहाल करने वाली है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भविष्यवाणी की है कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान पाकिस्तान में क्षेत्र में सबसे ज्यादा महंगाई और सबसे कम आर्थिक विकास दर होगी। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट में इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में आर्थिक विकास दर 1.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, एडीबी ने यह भी अनुमान लगाया है कि इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में औसत महंगाई 25 फीसदी रहेगी।इसके अलावा रिपोर्ट में भारत के अलावा अन्य देशों की अर्थव्यवस्था पर ब्योरा दिया गया है। भारत में जहां चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर 4.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि बांग्लादेश में महंगाई दर 8.4 फीसदी और भूटान में महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में मालदीव में महंगाई दर 3.2 प्रतिशत, नेपाल में 6.5 प्रतिशत और श्रीलंका में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा इस वित्त वर्ष में श्रीलंका की आर्थिक विकास दर पाकिस्तान के बराबर यानी 1.9 फीसदी रहने की संभावना है। एडीबी ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2.8 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल पाकिस्तान में यदि राजनीतिक स्थिरता रही तो वहां महंगाई दर के कम होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता की वजह अर्थव्यवस्था का यह आलम है। यदि ऐसी ही स्थिति रहेगी तो पाकिस्तान में चाय से चिकन तक सबकुछ महंगा होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आर्थिक विकास दर 7 फीसदी, बांग्लादेश में आर्थिक विकास दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस से भी कम रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम भी से कम रहने की उम्मीद है।

क्यूबा में सैन्य हेलीकाप्टर क्रैस, 3 लोगों की मौत

हवाना (ईएमएस)। क्यूबा के पूर्वी शहर सेंटियागो में गुरुवार को सेना का एक हेलीकाप्टर क्रैस होने से चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। सशस्त्र बलों के मंत्रालय (मिनफर) ने यह जानकारी दी है। मिरफर ने एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना हवाना से लगभग 860 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित देश के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर के एक हवाईअड्डे पर हुई है। बयान में कहा गया कि इस समय रिवोल्यूशनरी सशस्त्र बलों की एक समिति दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सूरत में डायरिया और उल्टी से दो मौतों के बाद दहशत का माहौल

एक मामले में मौत का कारण बोरिंग का दूषित पानी पाया गया, दूसरे मामले में कारण ढूंढने की होड़ मच गई

सूरत, १२ अप्रैल । गर्मी की शुरुआत में ही सूरत जैसे शहरों में जलजनित बीमारी ने अपना सिर उठा लिया है । डायरिया व उल्टी से दो लोगों की मौत से चिंता का माहौल है । कारणों का पता लगाने के लिए स्वास्थ्य तंत्र भी एक्शन मोड में आ गया है ।

सूरत नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग और जल विभाग ने भी २०० घरों में सर्वे किया । सूरत शहर के गोडादरा इलाके में रहने वाली २८ वर्षीय महिला कलावती देवी को दस्त और उल्टी की शिकायत थी ।

परिजन उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए । जहां डॉक्टर ने उसे स्मीमेर अस्पताल ले जाने की सलाह दी । अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई । एक अन्य घटना में पुणे इलाके में चेतन पासवान के २ साल के बच्चे विष्णु पासवान को भी दस्त और उल्टी हुई । बच्चे का इलाज एक निजी अस्पताल में कराया गया । लेकिन जब परिजन इलाज के बाद बच्चे को घर ले आये तो उसकी दर्दनाक मौत हो गयी । अब इस बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है । इन दोनों घटनाओं पर विचार करने के बाद सूरत नगर पालिका ने १० मेडिकल टीमें गठित की हैं । जिस बोरहोल में महिला रहती है, वहां से पानी का सैंपल लिया गया है । नगर पालिका ने बोर को तत्काल सील कर अलग-अलग स्थानों से पानी के सैंपल लिए हैं । इसके साथ ही नगर निगम अधिकारियों ने करीब २०० घरों का सर्वे भी किया है । साथ ही करीब ४१ टांके भी साफ कर दिए गए हैं । नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ । प्रदीप उमरीगर ने कहा, 'हमने दोनों मामलों में इसके कारणों का पता लगाने के लिए सभी प्रयास किए हैं । एक मामले में, बोरहोल से दूषित पानी को इसका कारण पाया गया । दूसरे मामले में परिवार यूपी से आया था । वे फिर अपने मूल स्थान पर चले गए हैं इसलिए इतिहास के बारे में ज्यादा पता नहीं चल सका । लेकिन हम आसपास के घरों का सर्वे कर भी कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं । नगर पालिका जन जागरूकता पैदा करने के लिए ८ अलग-अलग भाषाओं में जानकारी प्रदान कर रही है जिसे लोग समझ सकें ताकि गर्मियों में जलजनित बीमारियाँ बदतर न हों ।

अभी गर्मी का मौसम है इसलिए डिहाइड्रेशन की संभावना रहती है । ऐसे में स्वास्थ्य विभाग सभी को सावधानी बरतने की सलाह दे रहा है ।

ऑस्ट्रेलिया में वर्क वीजा दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी

आणंद के २६ युवकों से ६५ लाख रुपये की ठगी की गई

आणंद, १२ अप्रैल । शिकायत दर्ज की गई है कि अहमदाबाद थलतेज क्षेत्र के मरजबाज युवकों को आणंद में बैठकें और सेमिनार आयोजित करके ऑस्ट्रेलिया में फल बीनने वाले के रूप में वर्क वीजा दिलाने के नाम पर धोखा दिया गया था । आणंद शहर पुलिस थाने में २६ युवकों से ६५ लाख रुपये हड़पने, वीजा नहीं मिलने और पैसे नहीं लौटाने और विदेश भाग जाने की शिकायत दर्ज करायी गयी है । जून २०२० में दोस्त संदीप उर्फ ??सनी ने खंभात तालुका के पांडाड गांव में रहने वाले मेहुलकुमार महेंद्रभाई परमार को बताया कि कांतिभाई इग्नासभाई परमार मेरे चाचा की सोसायटी में रहते हैं । उनका एक दोस्त लॉयड जोसेफ रोसारियो कुछ दिन पहले अहमदाबाद से आया था । जो ऑस्ट्रेलिया में तीन साल के लिए वर्क परमिट वीजा के ऊ पर फल बीनने वाले वीजा प्रदान करने का काम करता है । कुछ दिनों में फिर वापस आऊं गा ।

आनंद ने बात की कि अगर मिलना हो तो मेरे चाचा की सोसायटी में आ जाओ । मेहुलकुमार ने इस बारे में अपने अन्य दोस्तों जीतेंद्रभाई गोविंदभाई चौहान (रोष गोलाना), साहिल्सेन जसवंतभाई परमार (रोष खंभात), चिरागभाई भगवानभाई चावड़ा (रोष मिताली) से बात की क्योंकि दोस्त भी ऑस्ट्रेलिया के बारे में जानकारी चाहते थे, जितेंद्रभाई, साहिल्सेन, चिरागभाई गए आणंद में दिव्यदया सोसायटी सांगोलपुरा में कांतिभाई के घर पर । जहां संदीप उर्फ ??सन्नी, कांतिभाई परमार और करीब १० से १५ अन्य युवक अपने माता-पिता के साथ बैठक में मौजूद थे । इन सभी की पहचान अहमदाबाद के लॉयड रोसारियो और उनके भाई लेवेलिन रोसारियो ने की और कहा कि वे लड़कों को ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस में फलों के बागानों में फल बीनने वाले के रूप में भेज रहे थे । वहां की कंपनी के साथ मेरा अनुबंध प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष ३३ हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का है । जिसमें कंपनी ने मौखिक रूप से कहा कि कंपनी आवास, भोजन सुविधा, बीमा, वीजा, ऑस्ट्रेलिया आने-जाने का किराया उपलब्ध करायगी । उन्होंने कहा कि जो लोग जाना चाहते हैं उन्हें सिक्योरिटी-डिपॉजिट के तौर पर प्रति व्यक्ति २ से ५० लाख रुपये का भुगतान करना होगा और वीजा मिलने के बाद जमा राशि वापस कर दी जाएगी ।

चलते भाषण में बीजेपी नेता ने दिया इस्तीफा

परशोत्तम रूपाला के बयान पर बोटाद तालुका के भाजपा महासचिव ने इस्तीफा दिया, विजय खाचर ने क्षत्रिय समाज के समर्थन में इस्तीफा दिया

बोटाद, १२ अप्रैल । परशोत्तम रूपाला और क्षत्रिय समाज के बीच विवाद के चलते बीजेपी में कैसी ही स्थिति बनती जा रही है जैसी अभी देखने को मिल रही है । बीजेपी के एक नेता ने चलते भाषण के बीच में अचानक अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया । बोटाद में 'मोदी परिवार सभा' में बोटाद तालुका के बीजेपी महासचिव ने रूपाला के बयान के विरोध में इस्तीफा दे दिया । फिर ये मामला अब बहस खड़ा कर रहा है ।

परशोत्तम रूपाला के बयान पर बोटाद तालुका के बीजेपी महासचिव ने इस्तीफा दे दिया है । रूपाला के क्षत्रिय समाज पर दिए गए बयान पर बोटाद तालुका के बीजेपी महासचिव विजय खाचर ने इस्तीफा दे दिया है । बोटाद के परवाड में मोदी परिवार सभा के एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान विजय खाचर ने भाषण के बीच में ही अपना इस्तीफा दे दिया । वहीं रूपाला के बयान के मामले को सुखद अंत देने के लिए मोवडी मंडल ने कार्यक्रम के भीतर एक सार्वजनिक प्रस्तुति दी ।

जूनागढ़ लोकसभा सीट के लिए बीजेपी उम्मीदवार राजेश चुडासमा ने ऊना में प्रचार किया । ऊना दौरे के दौरान बीजेपी विधायक ने कांग्रेस पर हमला बोला । दिग्गज कांग्रेस नेता और ऊना के पूर्व विधायक ने पुंजा वंश पर निशाना साधा । कथित तौर पर चुनाव में हार के वक्त हुए खर्च का भुगतान करने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार से वसूला गया है । इसके जवाब में विधायक कालू राठौड़ ने कहा कि २०२२ के चुनाव में राजेश चुडासमा के खिलाफ हार के बाद पुंजा वंश एक बार फिर कांग्रेस के लिए प्रचार कर रहे हैं । वह कांग्रेस प्रत्याशी हीरा जोतवा से पिछले चुनाव में हुए खर्च की वसूली के लिए प्रचार कर रहे हैं । कालू राठौड़ ने पुंजा राजवंश पर गंभीर आरोप लगाया है । इस मामले में पुंजा वंश ने फोन पर बातचीत में कहा कि कालभाई कभी भी कुछ भी बोलने के आदी हैं । उनका बयान कभी मायने नहीं रखता । बीजेपी उम्मीदवार राजेश चुडासमा १६ अप्रैल को अपना नामांकन फॉर्म भरेंगे ।

विधानसभा अध्यक्ष चौधरी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

गांधीनगर, १२ अप्रैल । गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी के खिलाफ कांग्रेस चुनाव आयोग पहुंचा है । कांग्रेस ने आयोग में विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि वे भाजपा के लिए प्रचार कर आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं । कांग्रेस ने चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है । कांग्रेस ने दावा किया है कि विधानसभा अध्यक्ष का पद एक संवैधानिक पद है । संवैधानिक पद पर होते हुए किसी राजनीतिक दल के लिए प्रचार नहीं किया जा सकता ।

कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने ११ अप्रैल को चौधरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी । शिकायत में उन्होंने कहा कि शकंर चौधरी गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष हैं । वे किसी भी राजनीतिक दल या किसी भी उम्मीदवार के लिए प्रचार नहीं कर सकते हैं ।चौधरी ने जिस दिन से विधानसभा अध्यक्ष का पद संभाला है, उसी दिन से किसी पार्टी या उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के उनके अधिकार खत्म हो गए । संसदीय परंपराएं और प्रक्रियाएं भाग-एक के अध्याय- नौ के पैरा- दो में उल्लेखित है कि विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद से वह व्यक्ति राजनीतिक गतिविधियों से पूरी तरह से अलग हो जाता है । किसी भी राजनीतिक दल से उसका संबंध नहीं रहता ।

दोषी का आरोप है कि चौधरी ने बनासकांठा लोकसभा क्षेत्र की भाजपा उम्मीदवार रेखा चौधरी के समर्थन में एक बैठक आयोजित की थी । उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कुछ फोटो-वीडियो भी सबूत के रूप में जमा किए हैं । दोषी ने कहा कि उन्होंने कानून का उल्लंघन किया है । उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए । कांग्रेसी नेता की शिकायत पर प्रदेश भाजपा के मीडिया संयोजक यज्ञेश दवे ने कहा कि शिकायत पर फैसला करना आयोग पर निर्भर है ।

गुजरात विधानसभा की कुल १८२ सीटों में से भाजपा के पास १५६ सीटें हैं । गुजरात की सभी २६ लोकसभा सीटों पर सात मई को एक ही चरण में मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी ।

15 अप्रैल से गांधीनगर-इंदौर शांति एक्सप्रेस अहमदाबाद से चलेगी

मुंबई-अहमदाबाद-साबरमती के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है, अहमदाबाद से साबरमती के बीच साबरमती नदी के ऊपर बनाए जा रहे ब्रिज के कार्य ने अब जोर पकड़ लिया है। इस सिलसिले में अहमदाबाद और साबरमती के बीच रेलवे की एक लाइन अस्थाई तौर पर बंद रहेगी। जिसके कारण ट्रेन संख्या 19309/ 19310 गांधीनगर कैपिटल-इंदौर शांति एक्सप्रेस ट्रेन गांधीनगर और अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

15 अप्रैल 2024 से अगली सूचना तक ट्रेन संख्या 19309 गांधीनगर कैपिटल-इंदौर शांति एक्सप्रेस गांधीनगर कैपिटल के स्थान पर अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी तथा गांधीनगर कैपिटल-अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

14 अप्रैल 2024 से अगली सूचना तक ट्रेन संख्या 19310 इंदौर-गांधीनगर कैपिटल शांति एक्सप्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा अहमदाबाद-गांधीनगर कैपिटल के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

४७ साल के धनानी अब तक बीजेपी के तीन दिग्गजों को हरा चुके हैं

अहमदाबाद, १२ अप्रैल । गुजरात बीजेपी का कितन मजबूत गढ़ है, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है, लेकिन राज्य में आंदोलन में बदले क्षत्रिय समाज के विरोध के बीच कांग्रेस बड़ा दांव खेलने की तैयारी कर रही है । अगर सबकुछ ठीक रहा है तो राजकोट में केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला और कांग्रेस के दिग्गज नेता परेश धनानी के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा । कांग्रेस पार्टी ने राजकोट से परशोत्तम रूपाला को टिकट नहीं कटने पर धनानी को उतारे की तैयारी कर ली है । सूत्रों की मानें हाईकमान ने भी बड़ा दांव खेलने के लिए ग्रीन सिग्नल दे दिया है । पिछले दो लोकसभा चुनावों से एक अदद सीट जीतने और खाता खोलने में नाकाम रही कांग्रेस को इन दिनों परेश धनानी में जीत दिखाई पड़ रही है । पार्टी की रणनीति में धनानी सिर्फ फिट बैठ रहे हैं बल्कि उनके पास बीजेपी के तीन दिग्गजों को पटखनी देने का अनुभव भी है । यही वजह है कि जिस राजाकोट की सियासी भूमि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत की थी । अब कांग्रेस वहीं नवसर्जन की उम्मीद संजो रही है । गुजरात में नामांकन की प्रक्रिया १२ अप्रैल से शुरू हो रही है ।

क्षत्रिय समुदाय के आंदोलन के बाद गुजरात में चर्चा का केंद्र बने राजकोट से अभी कांग्रेस ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं । रूपाला के चुनाव लड़ने की स्थिति में धनानी का लड़ना तय माना जा रहा है । इसकी बड़ी वजह यह है कि रूपाला की तरह ही अमरेली से आने वाली धनानी पाटीदार हैं । वे लेऊ वा पटेल हैं । इनकी राजकोट में संख्या ज्यादा है । धनानी जहां इस पैरामीटर पर आगे हैं तो वहीं दूसरी ओर उन्होंने ही २००२ में परशोत्तम रूपाला को अमरेली विधानसभा चुनाव में शिकस्त दी थी । इसके बाद अब रूपाला चुनाव लड़ रहे हैं ।

बीच के सालों में रूपाला कोई चुनाव नहीं लड़े हैं । धनानी इसके अलावा बीजेपी के एक और हैवीवेट नेता दिलीप संघाणी को हरा चुके हैं । उन्होंने संघाणी को २०१२ के विधानसभा चुनावों में हराया था । इसके अलावा संघाणी ने २०१७ के चुनाव में बीजेपी के कैंडिडेट और बावकुभाई को हराया था । कांग्रेस को ऐसे में धनानी से करिश्मे की उम्मीद है ।

दिल्ली से सूरत जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में पी रहा था सिगरेट

फ्लाइट के टॉइलट में वह बैठकर सिगरेट पी रहा था : धुआं निकलता देख उसे पकड़ा गया : बाद में उसे सूरत पुलिस के हवाले कर दिया गया ।

सूरत, १२ अप्रैल । बीते दिनों से लगातार फ्लाइट के अंदर अलग-अलग हरकतों के चलते यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है । अब दिल्ली-सूरत एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान के शौचालय में सिगरेट पीने के आरोप में एक शख्स को पकड़ा गया है । २३ साल का आरोपी पश्चिम बंगाल का रहने वाला है । आरोपी कौस्तव सत्यजीत विश्वास, जिसे सूरत से बेंगलुरु के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट में चढ़ना था, उसे बुधवार रात सूरत में डुमास पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । पुलिस ने कहा कि विश्वास बेंगलुरु में एक निजी कंपनी में काम करता था । पुलिस के अनुसार, विश्वास ने दिल्ली से उड़ान भरने के बाद सिगरेट पीने के लिए खुद को शौचालय में बंद कर लिया । उन्होंने कहा, 'सूरत हवाई अड्डे पर रात ९.४५ बजे (दिल्ली-सूरत) उड़ान के उतरने के बाद हमें आधी रात के आसपास शिकायत मिली ।'

एयर इंडिया एक्सप्रेस के सुरक्षा पर्यवेक्षक श्याम कंसारा की शिकायत के आधार पर विश्वास के खिलाफ केस दर्ज किया गया है । उसके ऊ पर आईपीसी ३३६ और विमान अधिनियम, १९३४ की धारा १० के तहत एफआईआर दर्ज की गई है । विश्वास से एक सिगरेट का डिब्बा भी जब्त किया है जो किसी भी उड़ान पर प्रतिबंधित है । मामले के विवरण के अनुसार, जब उड़ान बीच हवा में थी, तो एक यात्री ने चालक दल के सदस्य से शिकायत की कि शौचालय के अंदर एक यात्री दरवाजा नहीं खोल रहा था । चालक दल के सदस्यों ने शौचालय का दरवाजा खटखटाया और उस व्यक्ति को बाहर आने के लिए कहा । दरवाजा खोलते ही विश्वास सिगरेट के धुएं से भरे शौचालय से बाहर निकला ।

चालक दल के सदस्यों ने विश्वास से पूछा कि क्या वह शौचालय के अंदर धूम्रपान कर रहे थे, जिस पर उन्होंने सिर हिलाया । इसके बाद चालक दल के सदस्य ने पायलट निर्भयकुमार मिश्रा को विश्वास के सीट नंबर के साथ घटना की सूचना दी ।उड़ान के उतरने के बाद, पायलट ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के सुरक्षा कर्मचारियों को सूचित किया, जो यात्री को टर्मिनल पर ले गए और स्थानीय पुलिस को सूचित किया । पुलिस ने कहा कि विश्वास पश्चिम बंगाल के उत्तर २४ परगना जिले के खांटुरा गोबरडांगा गांव का निवासी है और एक निजी फर्म में काम करता है ।

14 अप्रैल को जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस अहमदाबाद तक जाएगी

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल के वड़ोदरा-गैरतपुर सेक्शन में स्थित गोठाज स्टेशन पर इलेक्ट्रोनिक इंटरलोकिंग कार्य के चलते राजकोट मंडल से होकर जाने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। विवरण निम्नानुसार हैः-

आंशिक रूप से रद्द होने वाली ट्रेनें:

1) ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस 14 अप्रैल, 2024 को अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इस तरह यह ट्रेन अहमदाबाद-वड़ोदरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।2) ट्रेन संख्या 22959 वड़ोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस 14 अप्रैल, 2024 को वडोदरा के स्थान पर अहमदाबाद से शॉर्ट ओरिजिनेट (प्रारंभ) होगी। इस तरह यह ट्रेन वड़ोदरा-अहमदाबाद के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं गोरखपुर तथा उधना एवं भागलपुर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर और उधना-भागलपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 05054/05053 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल ड22 फेरे. (अनारक्षित) ट्रेन संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.15 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 06.25 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अप्रैल, 2024 से 29 जून, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05053 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से 09.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 अप्रैल 2024 से 28 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशन पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 05054 का बयाना स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09059/09060 उधना-भागलपुर स्पेशल ट्रेन ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09059 उधना-भागलपुर स्पेशल शनिवार, 13 अप्रैल, 2024 को उधना से 14.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.25 बजे भागलपुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09060 भागलपुर- उधना स्पेशल सोमवार, 15 अप्रैल, 2024 को भागलपुर से 04.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास, द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09059 की बुकिंग 13 अप्रैल, 2024 से सभी पीआर एस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. iåian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वडोदरा मण्डल के गोठाज स्टेशन पर नॉन इंटर लॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर वडोदरा-गैरतपुर सेक्शन के गोठाज स्टेशन पर 14 अप्रैल 2024 को नॉन इंटरलॉकिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। जिसका विवरण इस प्रकार हैः-

14 अप्रैल 2024 को निरस्त ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 19036 अहमदाबाद-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस, 2.ट्रेन संख्या 19035 वडोदरा-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस, 3.ट्रेन संख्या 09495 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू, 4.ट्रेन संख्या 09496 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू, 5.ट्रेन संख्या 09400 अहमदाबाद- आणंद मेमू, 6.ट्रेन संख्या 09399 आणंद-अहमदाबाद मेमू, 7.ट्रेन संख्या 09328 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू, 8.ट्रेन संख्या 09391 वडोदरा–गोधरा मेमू, 9.ट्रेन संख्या 09273 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू,10. ट्रेन संख्या 09312 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू,

15 अप्रैल 2024 को निरस्त ट्रेन, 1.ट्रेन संख्या 09394 गोधरा-आणंद मेमू,

14 अप्रैल 2024 को आंशिक निरस्त होने वाली ट्रेनें

1.ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस वडोदरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन वड़ोदरा - अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। 2.ट्रेन संख्या 19034 अहमदाबाद-वलसाड गुजरात क्वीन एक्सप्रेस वडोदरा स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजिनेट (प्रारंभ) होगी तथा यह ट्रेन अहमदाबाद - वड़ोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। 3.ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन अहमदाबाद-वड़ोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

4.ट्रेन संख्या 22959 वड़ोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस वडोदरा के स्थान पर अहमदाबाद से शॉर्ट ओरिजिनेट (प्रारंभ) होगी तथा यह ट्रेन वड़ोदरा-अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

5.ट्रेन संख्या 09311वड़ोदरा-अहमदाबाद मेमू आणंद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन आणंद - अहमदाबाद के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry .indian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

हापा और नाहरलगुन की बीच चलायी जाएगी स्पेशल ट्रेन ,टिकटों की बुकिंग 13 अप्रैल से

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष किराये पर हापा और नाहरलगुन के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09525/09526 हापा-नाहरलगुन स्पेशल (साप्ताहिक) ड22 फेरे.ट्रेन संख्या 09525 हापा-नाहरलगुन स्पेशल प्रत्येक बुधवार को हापा से 00.40 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 16.00 बजे नाहरलगुन पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09526 नाहरलगुन-हापा स्पेशल प्रत्येक शनिवार को नाहरलगुन से 10.00 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 00.30 बजे हापा पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में राजकोट, वांकानेर, सुरेंद्रनगर, अहमदाबाद, नडियाद, आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, बियावरा-राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज में ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, ग़ाज़ीपुर शहर, बलिया, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड, रंगिया, उदलगुड़ी , न्यू मिसामारी, रंगापारा उत्तर और हरमुती स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन मेंएसी2-टियर,एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच होंगे। ट्रेन संख्या 09525की बुकिंग13 अप्रैल,2024 से सभीपीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry.iåian rail .gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों हेतु ग्रीष्म विशेष गाड़ियों का संचालन

गाड़ी क्र.	आरंभिक स्टेशन तथा गंतव्य	प्रस्थान	आगमन	सेवाओं की तिथियां
09097	बांद्रा टर्मिनस - श्री माता वैष्णो देवी कटरा	21.50 बजे (रविवार)	10.00 बजे (मंगलवार)	21 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक
09098	श्री माता वैष्णो देवी कटरा - बांद्रा टर्मिनस	21.40 बजे (मंगलवार)	10.10 बजे (गुरुवार)	23 अप्रैल 2024 से 02 जुलाई 2024 तक
09525	हापा - नाहरलगुन	00.40 बजे (बुधवार)	16.00 बजे (शुक्रवार)	17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक
09526	नाहरलगुन - हापा	10.00 बजे (शनिवार)	00.30 बजे (मंगलवार)	20 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 तक
09183	मुंबई सेंट्रल - बनारस	22.50 बजे (बुधवार)	10.30 बजे (शुक्रवार)	17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक
09184	बनारस - मुंबई सेंट्रल	14.30 बजे (शुक्रवार)	04.20 बजे (रविवार)	19 अप्रैल 2024 से 28 जून 2024 तक
09111	वडोदरा - गोरखपुर	19.00 बजे (सोमवार)	23.30 बजे (अगले दिन)	15 अप्रैल 2024 से 24 जून 2024 तक
09112	गोरखपुर - वडोदरा	05.00 बजे (बुधवार)	08.35 बजे (अगले दिन)	17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक
09195	वडोदरा - मऊ (सुपरफास्ट)	19.00 बजे (शनिवार)	20.45 बजे (अगले दिन)	20 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 तक
09196	मऊ - वडोदरा (सुपरफास्ट)	23.15 बजे (रविवार)	00.45 बजे (मंगलवार)	21 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक
09417	अहमदाबाद - दानापुर	09.10 बजे (सोमवार)	20.30 बजे (अगले दिन)	15 अप्रैल 2024 से 24 जून 2024 तक
09418	दानापुर - अहमदाबाद	23.50 बजे (मंगलवार)	11.10 बजे (गुरुवार)	16 अप्रैल 2024 से 25 जून 2024 तक
09069	सूरत - ब्रह्मपुर	14.20 बजे (बुधवार)	01.15 बजे (शुक्रवार)	17 अप्रैल 2024 से 26 जून 2024 तक
09070	ब्रह्मपुर - सूरत	03.30 बजे (शुक्रवार)	13.45 बजे (अगले दिन)	19 जून 2024 से 28 जून 2024 तक
09343	डॉ. आंबेडकर नगर - पटना	18.30 बजे (गुरुवार)	18.30 बजे (अगले दिन)	18 अप्रैल 2024 से 27 जून 2024 तक
09344	पटना - डॉ. आंबेडकर नगर	21.30 बजे (शुक्रवार)	23.55 बजे (अगले दिन)	19 अप्रैल 2024 से 28 जून 2024 तक
09309	इंदौर - नई दिल्ली (सुपरफास्ट)	17.00 बजे (शुक्रवार, रविवार)	04.30 बजे (अगले दिन)	19 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक
09310	नई दिल्ली - इंदौर (सुपरफास्ट)	07.30 बजे (शनिवार, सोमवार)	20.15 बजे (उसी दिन)	20 अप्रैल 2024 से 01 जुलाई 2024 तक
09059	उधना - भागलपुर	14.25 बजे (शनिवार)	23.25 बजे (अगले दिन)	13 अप्रैल 2024
09060	भागलपुर - उधना	04.00 बजे (सोमवार)	14.00 बजे (अगले दिन)	15 अप्रैल 2024
05054	बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर	21.15 बजे (शनिवार)	06.25 बजे (सोमवार)	20 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024
05053	गोरखपुर - बांद्रा टर्मिनस	09.30 बजे (शुक्रवार)	18.00 बजे (अगले दिन)	19 अप्रैल 2024 से 28 जून 2024 तक

गाड़ी क्र. 09097, 09525, 09183, 09111, 09195, 09417, 09069, 09343, 09309 तथा 09059 के लिये सभी पीआरएस काउंटर्स पर तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर बुकिंग दि. 13.04.2024 से शुरू होगी. गाड़ी क्र. 05053 को पूर्णतः अनारक्षित के तौर पर संचालित किया जायेगा. उपरोक्त गाड़ियों को विशेष किराये पर विशेष गाड़ी के तौर पर संचालित किया जायेगा. संयोजन तथा ठहरावों की समय-सारिणी के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly
कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96